हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 23 नवंबर 2025

12 ग्रामीणों को 'मेरा परिवार-नशामुक्त परिवार' का दिलवाया संकल्प

12 वल्लभभाई पटेल ने देश को जोड़ने का काम किया : यतिंद्र

खबर संक्षेप

मोटरसाइकिल की टक्कर से बालक घायल, केस दर्ज

फतेहाबाद। गांव भिरड़ाना में एक तेजगति मोटरसाइकिल ने एक बालक में टक्कर दे मारी। इस हादसे में बालक को काफी चोटें आई हैं। उसे उपचार के लिए शहर के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां उसका उपचार चल रहा है। इस मामले में सदर फतेहाबाद पुलिस ने बाईक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव भिरड़ाना निवासी सुमन ने कहा है कि गत दिवस वह अपने बेटे किस्मत के साथ किसी काम से गांव के बाजार में जा रही थी। जैसे ही वह मेन रोड पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के पास पहुंचे तो सामने से आ रहे एक मोटरसाइकिल के चालक ने मोटरसाइकिल को लापरवाही व तेजगति से चलाते हुए उसके लड़के को टक्कर दे मारी।

जेएनवी में पूर्व छात्र मिलन समारोह 7 को

फतेहाबाद। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय खारा खेड़ी के प्रांगण में 7 दिसंबर रविवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा। विद्यालय के प्राचार्य अनूप सिंह ने इस संबंध में सभी पूर्व छात्र-छात्राओं से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर इस समारोह में सहभागी बनें। विद्यालय परिवार द्वारा सभी पूर्व छात्रों के लिए स्वागत हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इस समारोह में स्कूल के पूर्व विद्यार्थी अपने अनुभवों को सांझा करेंगे।

हेरोइन तस्करी मामले में मुख्य सप्लायर दबोचा

फतेहाबाद। हेरोइन तस्करी के एक मामले में पुलिस ने नशा सप्लाई चेन के मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सुरज उर्फ भालू पुत्र सुरेश कुमार, निवासी किल्ली मोहल्ला, टोहाना के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ पहले भी दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद सिंह ने बताया कि 19 मई 2024 को पुलिस टीम रूटीन गश्त के दौरान फतेहाबाद से भूना, डुल्ट, चंदड़ कलां होते हुए टोहाना शहर की ओर जा रही थी। जब पुलिस टीम टोहाना बाईपास के आगे पुन्नी फैक्ट्री के पास पहुंची तो शक के आधार पर युवक को रोका गया और तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 6.10 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

सड़क हादसे में आरोपी कार चालक गिरफ्तार

फतेहाबाद। रतिया पुलिस ने एक गंभीर सडक़ हादसे में कार चालक को गिरफ्तार किया है। थाना शहर रतिया प्रभारी उप-निरीक्षक रणजीत सिंह ने बताया कि 9 नवंबर को रवि कुमार पुत्र जिले सिंह, निवासी तामसपुरा ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, उसी दिन स्विफ्ट डिजायर कार के अज्ञात चालक ने तेज गति, लापरवाही और गफलतपूर्वक गाड़ी चलाते हुए उसके भाई सतपाल सिंह की मोटरसाइकिल में सीधी टक्कर मार दी।

एक्यूआई का स्तर 210 पर, ओपीडी 40 प्रतिशत तक बढ़ी

ठंड-प्रदूषण से आंख और दमा के मरीजों की संख्या में इजाफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले में वायु प्रदूषण का स्तर सुधरने का नाम नहीं ले रहा है। ठंड व नमी के साथ प्रदूषण बढऩे से जिला रेड जोन में पहुंच चुका है। जिले में एक्यूआई का स्तर भी 210 पर है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक माना जाता है। अभी एक सप्ताह तक तो जिले का एक्यूआई 300 से ऊपर ही रहा था। जिसका असर भी दिखाई देने लगा है। दमा व टीबी रोगियों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी है। आंखों और नाक में सूजन के साथ खुजली के मरीज बढ़े हैं। ऐसे में चिकित्सक उपचार के साथ साथ मरीजों को बचाव के टिप्स भी दे रहे हैं। फिलहाल नाक, आंख व दमा रोगियों की ओपीडी में 40 प्रतिशत तक इजाफा हो चुका है। ईएनटी डॉ. जेपी शर्मा ने बताया कि वायु प्रदूषण के कारण हवा काफी खराब हो चुकी है। इस कारण नाक में खुजली के साथ सूजन आ जाती है। इसके बाद नाक अंदर से लाल हो जाता है और पानी बहने की भी शिकायत आ रही है। सांस लेने में दिक्कत होती है। अब तक ईएनटी के 60 से 70 मरीज आ रहे थे, मगर अब ओपीडी बढक़र 100 से ऊपर पहुंच गई है।

फोटो कैपशन 22एफटीडी1 – फतेहाबाद। अस्पताल में ओपीडी के लिए उमड़ी भीड़।

आंखें खुजलाने की जगह आई ड्रॉप का करें प्रयोग : शर्मा

मॉडल टाऊन स्थित शर्मा अस्पताल के आई स्पेशलिस्ट डॉ. विनोद शर्मा ने बताया कि वायु प्रदूषण के कारण आंखों में हवा के साथ डस्ट भी आ रही है, जिससे खुजली हो रही है और खुजाते ही आंखें लाल और पानी आना शुरू हो जाता है। इसके बाद आंखों में सूजन भी आ जाती है। अब तक ओपीडी में 80 से 90 मरीज ही आते थे, मगर अब प्रदूषण के कारण ओपीडी बढक़र 160 तक पहुंच गई है।

मरीजों को सांस लेने में हो रही परेशानी

सिविल अस्पताल के एसएमओ डॉ. बुधराम ने बताया कि जिले में 700 से ज्यादा टीबी के मरीज हैं। इनके अलावा दमा रोगी भी हैं। जो पुराने मरीज हैं, उन्हें वायु प्रदूषण व ठंड के कारण ज्यादा परेशानी हो रही है। मरीजों को सांस खींचकर लेना पड़ रहा है और बार बार खांसी की शिकायत आ रही है। ऐसे में मरीज नेबुलाइजर का सहारा ले रहे हैं। ऐसे मरीजों को इमरजेंसी होने तक घर के अंदर ही रहना चाहिए। गर्म कपड़े पहने और ठंडे पेय पदार्थों से से दूर दूर रहना चाहिए। गुनगुना पानी पीएं, विटामिन सी आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएगी। अब तक 100 के करीब मरीज आते थे, मगर अब बढक़र ओपीडी 150 से ऊपर जा चुकी है।

प्रदूषण पर कड़ी निगरानी के निर्देश

उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने कहा कि वायु प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ चुका है। इसकी लगातार मॉनिटरिंग करवाई जा रही है। संबंधित विभाग अधिकारियों को वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए निर्देश जारी किए हुए हैं।

चत्तरगढ़पट्टी रेलवे फाटक पर एक पखवाड़े से रास्ता बंद, लोग परेशान

सीवर लाइन शिफ्ट करने के लिए फाटक के निकट खुदाई का कार्य शुरू करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

शहर के चत्तरगढ़पट्टी रेलवे फाटक के निकट सीवर लाइन को शिफ्ट करने के लिए बीती 8 नवंबर को पांच दिन के लिए मिनी बाइपास को बंद किया गया था। एक पखवाड़ा बीत चुका है, लेकिन रास्ता खुलने की दूर-दूर तक कोई संभावना तक दिखाई नहीं दे रही। पिछले 15 दिनों से रास्ता अवरूद्ध होने के कारण नगर परिषद के चार वार्ड, गांव झोपड़ा, नेजाडेला के हजारों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस रेलवे फाटक से वार्ड नंबर एक, वार्ड नंबर-2, वार्ड नंबर 31, वार्ड नंबर-6 के अलावा प्रेम नगर, विशाल नगर, ढाणी चांदमारी, गांव झोपड़ा, गांव नेजाडेला के लोगों का आना-जाना होता था। पब्लिक हेल्थ की ओर से सीवर लाइन शिफ्ट करने के लिए फाटक के निकट खुदाई का कार्य शुरू करवाया गया। शुरूआत में 5 दिन का काम बताया गया लेकिन इसे आगे 3 दिन के लिए बढ़ाया गया। लेकिन अब कोई समय सीमा नहीं बताई गई है। रेलवे फाटक के निकट खुदाई कार्य होने के कारण रेलवे लाइन की इस पार की पूरी आबादी के लिए पैदल आना-जाना भी मुश्किल हो गया है।

कचरा डोडा पोस्त के साथ व्यक्ति सहित चार महिलाएं गिरफ्तार

फतेहाबाद। ऑपरेशन ट्रैकडाउन के तहत फतेहाबाद पुलिस ने 55 किलोग्राम कचरा डोडा पोस्त सहित एक व्यक्ति और चार महिलाओं को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनोज कुमार पुत्र सोमराज, निवासी गांव गिद्दड़बाहा, हाल कैम्प मोहल्ला मलोट, कुलविन्द्र कौर पत्नी रणजीत सिंह निवासी गांव मधीर, जिला मुक्तसर साहिब, रानी पत्नी मिठू सिंह निवासी गांव भारु, जिला मुक्तसर साहिब, वीरपाल कौर पत्नी पूर्ण सिंह, निवासी बुटर बकुआ, जिला मुक्तसर साहिब तथा गुरप्रीत कौर पत्नी बूटा सिंह पुत्र बसंत सिंह निवासी गांव हमीरगढ़, जिला भठिंडा के रूप में हुई है। सीआईए फतेहाबाद प्रभारी उप-निरीक्षक वेदपाल ने बताया कि पुलिस टीम रूटीन गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर खास ने सूचना दी कि एक व्यक्ति और चार महिलाएं भारी मात्रा में डोडा पोस्त को तीन अलग-अलग प्लास्टिक कट्टों में छुपाकर राजस्थान से फतेहाबाद ला रहे हैं तथा सामान्य बस अड्डा फतेहाबाद के बाहर पंजाब जाने के साधन का इंतजार कर रहे हैं।

सडक़ हादसे में व्यक्ति की मौत, चालक काबू

फतेहाबाद। सडक़ हादसे में एक व्यक्ति की मौत होने के मामले में फतेहाबाद पुलिस ने आरोपी इनोवा चालक को गिरफ्तार कर लिया है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि 14 नवंबर को विनोद कुमार, निवासी गांव शहीदांवाली ने थाना सदर में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार 13 नवंबर की रात लगभग 8:30 बजे, करनौली मोड़ के पास तेज रफ्तार इनोवा के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के दौरान मोटरसाइकिल सवार विनोद कुमार के भाई बलराज को गंभीर चोटें आई, जिनकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। जांच के दौरान आरोपी की पहचान आकाशदीप सिंह, पुत्र जगशीर सिंह, निवासी गांव सलारपुर, जिला सिरसा के रूप में हुई।

सरकारी स्कूल को दिलाया अतिक्रमण से छुटकारा

- गांव रोहण के जागरूक ग्रामीण के प्रयासों से जमीन हुई स्कूल के नाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

जिला के गांव रोहण में सरकारी स्कूल की भूमि पर गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा काश्त की जा रही थी, जिसका खुलासा गांव के ही हरप्रीत सिंह द्वारा आरटीआई के तहत मांगी जानकारी में हुआ है। मजे की बात ये है कि स्कूल प्रशासन व शिक्षा विभाग को स्कूल की भूमि बारे अभी कोई जानकारी ही नहीं है। जिससे ये साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि विभाग के अधिकारी सरकारी भूमि को लेकर कितने संजीदा हैं। गांव के पटवारी की देखरेख में जब पैमाइश करवाई गई तो इस बात का खुलासा हुआ। अब जो जमीन सरकारी स्कूल के हिस्से में आई है, उसे किसान ने खाली कर स्कूल के सुपुर्द कर दिया है। गांव रोहण निवासी हरप्रीत सिंह ने आरटीआई के तहत गांव रोहण स्थित राजकीय प्राइमरी व मिडल स्कूल की मलकीयती सरकारी भूमि पर मौजूद अवैध कब्जों को हटवाने के संबंध में स्कूल प्रशासन व विभाग द्वारा अब तक की जा चुकी तमाम विभागीय कार्यवाही का सत्यापित विवरण, स्पष्ट व तर्कसंगत जानकारी तथा इस आपराधिक कौताही व लापरवाही के लिए जिम्मेदार स्कूल प्रशासन/विभागीय अधिकारियों का उनके नाम, पदनाम सहित पूरा विवरण व स्कूल प्रशासन/विभाग द्वारा अवैध कब्जाग्रस्त की जानकारी मांगी थी।

पंचायती हस्तक्षेप के बाद ग्रामीण ने जमीन छोड़ी

हरप्रीत सिंह ने बताया कि पंचायती तौर पर जब गांव रोहण स्थित स्कूल की जमीन की पैमाइश पूर्व सरपंच गुरजंट सिंह, अवतार सिंह चौकीदार, चमकौर सिंह, जगसीर सिंह पूर्व सरपंच, पटवारी दर्शन सिंह, चरण सिंह व स्कूल स्टाफ की गिनरानी में करवाई गई तो गांव निवासी के खेत से 35 फुट चौड़ाई और 2 एकड़ लंबाई की जमीन स्कूल के नाम निकली। पंचायती हस्तक्षेप के बाद ग्रामीणने उक्त जमीन को छोड़ दिया है।

गुम हुई बच्ची को परिजनों से मिलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

थाना सदर फतेहाबाद के अंतर्गत आने वाली बड़ोपल पुलिस चौकी ने हाल ही में एक गुमशुदा बच्ची को मात्र 18 घंटों में गंगानगर रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर उसके माता-पिता को सौंप दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, गांव एमपी रोही की रहने वाली 13 वर्षीय बच्ची कुछ समय के लिए घर से बाहर गई थी और गलती से गंगानगर चली गई। जब बच्ची घर वापस नहीं लौटी, तो परिवार अत्यंत चिंतित हो गया और उन्होंने तुरंत बडोपल पुलिस चौकी में इसकी सूचना दी। इस घटना के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने सबसे पहले बच्ची के आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ की और स्थानीय जानकारी जुटाई। इसके साथ ही अन्य राज्यों में भी बच्ची की जानकारी प्राप्त करने के लिए समन्वित प्रयास किए गए। टीम ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य संभावित स्थानों पर नजर रखी, ताकि बच्ची को सुरक्षित रूप से खोजा जा सके। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस को गंगानगर रेलवे स्टेशन से बच्ची के होने की जानकारी मिली। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और बच्ची को सकुशल बरामद किया।

पुलिस ने दो नशा तस्कारों को किया गिरफ्तार, 5.86 ग्राम हेरोइन बरामद

- पकड़े गए तस्कर की पहचान गुरलाल के रूप में हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सीआईए कालांवाली पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कालांवाली क्षेत्र से दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। सीआईए कालांवाली प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि पकड़े गए तस्करों की पहचान गुरलाल व जगजीत के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव कालांवाली क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान पेट्रोल पम्प के नजदीक एक युवक पैदल आता दिखाई दिया जो कि पुलिस टीम को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर उसे काबू कर लिया और उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से 5 ग्राम 86 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। पकड़े गए तस्कर की पहचान गुरलाल के रूप में हुई।

जानलेवा हमला करने के आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से पीड़ित पक्ष में रोष

- आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टोहाना

जमीनी विवाद में एक पक्ष के दर्जनों लोगों द्वारा दूसरे पक्ष के लोगों पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला करने के मामले के आरोपियों को पुलिस करीब एक माह बाद भी गिरफ्तार नहीं कर पाई है। इसे लेकर पीड़ित पक्ष के लोगों में रोष व्याप्त है। उन्होंने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। गांव कुलां निवासी रामफल सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 26 अक्टूबर को वो अपने घर पर मौजूद था। उस दौरान उसे अपने भाई से सूचना मिली कि 20 अज्ञात व्यक्ति दोषी पक्ष की मोटर के कोठे पर बैठे हुए हैं। उसने बताया कि उस दौरान उसका भाई रामप्रकाश वहां खेत में अकेला था। आरोप है कि उस दौरान दोषी पक्ष की महिंद्रा जीप में गंडासे, डंडे आदि बड़ी मात्रा में तेजधार हथियार पड़े हुए थे। इस पर उसका भाई सतपाल इसकी वीडियो बनाने लगा तो आरोपियों द्वारा तेजधार हथियारों से उन पर वार करने शुरू कर दिए।

क्या कहते हैं चौकी प्रभारी

पीड़ित पक्ष की शिकायत पर नामजद आरोपियों सहित अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में फिलहाल एक व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए निरंतर प्रयास जारी है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

- दलवीर सिंह, प्रभारी पुलिस चौकी कुलां

डोडा पोस्त सहित तीन महिलाएं गिरफ्तार राजस्थान से लाकर बेचती थी नशा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

- नशा तस्करों की धरपकड़ को लेकर पुलिस की कार्रवाई

नशा तस्करों की धरपकड़ करते हुए फतेहाबाद पुलिस ने गांव बड़ोपल से तीन महिलाओं को डोडा पोस्त सहित गिरफ्तार किया है। तीनों महिलाएं राजस्थान से डोडा पोस्त लाकर पंजाब में बेचने का काम करती थी। मिली जानकारी के अनुसार थाना सदर फतेहाबाद के अंतर्गत आने वाली बड़ोपल पुलिस चौकी की टीम महिला एएसआई प्रवीण के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। टीम जब गांव भोडा होशनाक बस अड्डे के पास पहुंची तो उन्हें सूचना मिली कि तीन महिलाएं कुलदीप कौर निवासी लकडांवाली जिला सिरसा, जसप्रीत कौर निवासी जोगीवाली रोड, डबवाली तथा जैलो कौर निवासी घुमणं कलां जिला बठिंडा तीनों आपस में रुपये इकट्ठ करके राजस्थान से डोडा पोस्त खरीदकर पंजाब ले जाती हैं और बेचने का काम करती है। इस सूचना पर पुलिस टीम चिन्दड़ मोड़ पर पहुंची तो वहां तीनों महिलाएं प्लास्टिक कट्टा लिए खड़ी दिखाई दी।

सिरसा क्लब के चुनावों को निरस्त करवाने के लिए खोला मोर्चा

- चुनावों को रद्द करवाने के लिए हाईकोर्ट में दायर की याचिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा क्लब के करवाए जा रहे चुनावों को असंवैधानिक तरीके से करवाने के विरोध में क्लब के ही कुछ पदाधिकारी सदस्यों ने मोर्चा खोल दिया है। इतना ही नहीं चुनावों को रद्द करवाने के लिए हाईकोर्ट में याचिका भी दायर कीI मनमानी करते हुए 87 नए सदस्य बना डाले। यही नहीं नए बनाए गए सदस्यों बाबत उनसे बातचीत की गई तो उन्होंने कोई संतुष्टिजनक जवाब नहीं दिया। इतना ही नहीं सचिव राजेश लाला ने बिना हाऊस की मीटिंग बुलाए अपने स्तर पर ही चुनाव निर्धारित कर दिए और चुनाव अधिकारी भी नियुक्त कर दिया। हैरानी की बात तो ये है कि पोर्टल पर अभी तक पुराने सदस्यों का ही रिकॉर्ड उपलब्ध है, जबकि नए सदस्यों के बारे में किसी को कोई जानकारी ही नहीं है।

सिरसा। पत्रकारों से बातचीत करते सिरसा क्लब के पदाधिकारी।

रजिस्ट्रार ने भी नहीं की सुनवाई

सिरसा क्लब के अध्यक्ष उपायुक्त के पास भी इस मसले को लेकर गए। उपायुक्त ने रजिस्ट्रार को इस संबंध में कार्रवाई के आदेश दिए, लेकिन रजिस्ट्रार ने भी कोई सुनवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि आखिरकार उन्हें सिवाय कोर्ट के कुछ और नजर नहीं आया। थक हारकर उन्होंने संवैधानिक तरीके से अपनी लड़ाई लडऩे के लिए कोर्ट में याचिका दायर की, जिसकी सुनवाई आगामी 27 नवंबर को होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के चुनाव का क्या औचित्य है, क्योंकि कल को कोर्ट में जाकर कोई भी सदस्य इन्हें निरस्त करवा सकता है।

ऑपरेशन ट्रैकडाउन को लेकर पुलिस की कार्रवाई

एक दिन में 9 कुख्यात आरोपी किए गिरफ्तार

अभियान को लेकर अब तक हुई 49 गिरफ्तारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले में अपराधियों पर नकेल कसने के पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के नेतृत्व में चलाए जा रहे ऑपरेशन ट्रैकडाउन में पुलिस ने एक ही दिन में 9 कुख्यात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें हथियार के बल पर धमकी देने वाले, नशा तस्करी में सक्रिय तथा अवैध हथियार रखने वाले आरोपी शामिल हैं। ताजा कार्रवाई के बाद अभियान के दौरान गिरफ्तार किए गए आरोपियों की संख्या बढक़र 49 हो गई है। अभियान बारे जानकारी साझा करते हुए एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि ऑपरेशन ट्रैकडाउन का मकसद जिले में सक्रिय अपराधियों की पहचान कर उनके खिलाफ तेज, त्वरित और परिणामकारी कार्रवाई सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि विशेष टीमें नशा तस्करी, चोरी, मारपीट, संगठित अपराध तथा वारंट फरार आरोपियों पर लगातार निगरानी रख रही हैं। बीते 24 घंटों में पकड़े गए 9 आरोपी लंबे समय से पुलिस की तलाश में थे। सीआईए फतेहाबाद ने नशा तस्करी के खिलाफ निर्णायक प्रहार करते हुए 55 किलोग्राम चूरापोस्त बरामद की। इस मामले में पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मनोज कुमार पुत्र सोमराज, कुलविंद्र कौर पत्नी रणजीत सिंह, गुरप्रीत कौर पत्नी बूटा सिंह, रानी पत्नी मिठू सिंह, वीरपाल कौर पत्नी पूर्ण सिंह तथा नरेंद्र पुत्र केहर सिंह व कृष्णा पत्नी केहर सिंह के रूप में हुई है। इसके अलावा रतिया पुलिस ने जगसीर सिंह उर्फ पोपली पुत्र देवेंद्र सिंह को व रसपाल सिंह उर्फ रिछपेन्दर सिंह उर्फ फूला पुत्र बसंत सिंह को काबू किया है। एसपी सिद्धांत जैन के नेतृत्व में अब तक 49 कुख्यात अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है।

एसपी सिद्धांत जैन।

गोल्ड लीजिंग, जिसके जरिए आजकल लोग कर रहे कमाई क्या हैं फायदे और नुकसान

आजकल कई लोग ऐसे हैं जो गोल्ड लीजिंग के जरिए काफी अच्छी कमाई कर रहे हैं. अब यह गोल्ड लीजिंग क्या है? आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं. साथ में गोल्ड लीजिंग के फायदे और नुकसान के बारे में भी बताने वाले हैं।

हर व्यक्ति चाहता है, कि उसके पास ज्यादा पैसा हो और उसे पैसों की कभी कमी न हो। इसके लिए लोग कमाई करने के साथ साथ अपने पैसों को निवेश करते हैं। इसके अलावा आजकल लोग अपनी तिजोरी में रखें हुए सोने से भी कमाई कर रहे हैं। जी हां, हम बात कर रहे हैं गोल्ड लीजिंग की। आजकल कई लोग ऐसे हैं जो गोल्ड लीजिंग के जरिए काफी अच्छी कमाई कर रहे हैं। अब यह गोल्ड लीजिंग क्या है? आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं। साथ में गोल्ड लीजिंग के फायदे और नुकसान के बारे में भी बताने वाले हैं।

गोल्ड लीजिंग क्या होता है ?

गोल्ड लीजिंग को आसान शब्दों में समझें तो गोल्ड लीजिंग में आप अपने सोने को किराए पर देते हैं और कमाई कर लेते हैं। आजकल कई डिजिटल प्लेटफॉर्म लोगों को गोल्ड लीजिंग की सुविधा ऑफर कर रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म के जरिए लोग अपने गोल्ड को किराए पर दे सकते हैं और कमाई कर सकते हैं। गोल्ड लीजिंग में आप एक निश्चित समय के लिए अपने गोल्ड को लीज या किराए पर देते हैं। इसके बदले में आपको 2 से 7 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है। अब खास बात यह है कि गोल्ड लीजिंग में मिलने वाला रिटर्न आपको गोल्ड के रूप में भी मिल सकता है और यह कैश में भी हो सकता है। वहीं अगर सोने का भाव बढ़ता है, तो आपका रिटर्न भी बढ़ता है।

गोल्ड लीजिंग के फायदे-नुकसान

गोल्ड लीजिंग में अगर सोने की कीमतें बढ़ती हैं तो आपको ही फायदा होगा लेकिन सोने की कीमत गिरने पर आपका रिटर्म कम हो सकता है।
गोल्ड लीजिंग के जरिए आप अपने तिजोरी में रखे सोने के जरिए काफी अच्छी कमाई कर सकते हैं लेकिन गोल्ड लीजिंग एक नया ट्रेंड है। ऐसे में इसके लिए अभी नियम पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। वहीं कई मामलों में निवेशक के साथ फ्रॉड भी हो सकता है। इसके अलावा अगर आप गोल्ड लीजिंग की अवधि के बीच में अपना सोना वापस चाहते हैं, तो सोना वापस लेना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

बच्चे के जन्म से शुरू करें निवेश, 18 साल होने पर तैयार होगा 50 लाख का फंड

पढ़ाई से लेकर शादी तक, सबका खर्च बढ़ रहा है खर्च, क्या आप अपने बच्चे के भविष्य निर्माण के लिए तैयार हैं? यह सवाल इसलिए क्योंकि घर में बच्चे सबको प्रिय होते हैं। लेकिन बच्चों के सपनों को साकार करने के लिए बच्चे का आर्थिक भविष्य संवारने का काम सभी नहीं करते।

आमतौर पर देखा जाता है कि माता-पिता अपने बच्चों की पढ़ाई या शादी जैसे लंबे लक्ष्यों के लिए उनके नाम पर ही एक अलग फंड बनाना पसंद करते हैं। यह फंड अक्सर जन्मदिन या खास मौकों पर मिली छोटी-छोटी रकम से शुरू होता है और फिर माता-पिता समय-समय पर इसमें नियमित रूप से पैसा जोड़ते रहते हैं। विशेषज्ञ भी इसे अच्छा तरीका मानते हैं। आज हम आपको बता रहे हैं म्यूचुअल फंड में चिल्ड्रेन फंड के बारे में।

- बच्चे की पढ़ाई और शादी की चिंता रहेगी दूर
- भविष्य में अच्छे बिजनेस करने के लिए भी मिलेगा पैसा

निवेश का भरोसेमंद तरीका

चिल्ड्रन म्यूचुअल फंड के क्षेत्र में उदाहरण के लिए हम आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चिल्ड्रन फंड को देखते हैं। यह एक ऐसी योजना है जिसका लंबा और भरोसेमंद रिकॉर्ड रहा है। इसने समय के साथ अच्छे रिटर्न दिए हैं। यह एक ओपन-एंडेड निवेश योजना है जो बच्चों के लिए बनाई गई है। इसमें कम से कम पांच साल का लॉक-इन होता है, या फिर जब बच्चा बालिग हो जाए, जैसा भी पहले हो। यह फंड इक्विटी और डेट दोनों प्रकार की संपत्तियों में निवेश करता है और जरूरत पड़ने पर बेंचमार्क से बाहर के विषयों में भी अवसर के अनुसार निवेश करने का फ्रीडम रखता है।

उतार-चढ़ाव का असर भी कुछ हद तक कम होता

इस योजना की खासियत इसका बदलते हालात के मुताबिक ढलने वाला निवेश तरीका है। यह किसी एक तय निवेश फॉर्मूले पर अडिग नहीं रहती, बल्कि बाजार की स्थिति के अनुसार कभी बचाव की मुद्रा में तो कभी आक्रामक रुख अपनाती है। इससे फंड मैनेजर को समय-समय पर आर्थिक माहौल के हिसाब से उलट दिशा में भी कदम उठाने का अवसर मिलता है, जिससे पोर्टफोलियो में एक लचीलापन और जीवंतता बनी रहती है।

बाजार के हिसाब से होता है काम

जब बाजार में स्थिरता की जरूरत हो, तो यह फंड अपनी हिस्सेदारी का करीब 35% तक डेट में ले जा सकता है। और जब माहौल अनुकूल हो, तो उसी तेजी से फिर इक्विटी में लौट भी सकता है। इससे एक तरफ बढ़त के अवसरों का लाभ मिलता है और दूसरी तरफ अनिश्चित समय में उतार-चढ़ाव का असर भी कुछ हद तक कम होता है। कुल मिलाकर, यह चिल्ड्रन फंड उन अभिभावकों के लिए एक बेहतर विकल्प बनकर उभरता है जो अपने बच्चों की निवेश योजना में लचीलापन, सक्रिय फैसले और लंबी अवधि की सोच इन तीनों का संतुलित मेल चाहते हैं।

क्या है रिटर्न

अगर कोई व्यक्ति 31 अगस्त 2001 को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चिल्ड्रन फंड में 10 लाख रुपये निवेश किया होता तो 31 अक्टूबर 2025 तक यह राशि बढ़कर लगभग 3.3 करोड़ रुपये हो जाती। यह 15.58% की उल्लेखनीय वार्षिक कंपाउंडेड वृद्धि है। इसकी तुलना में, बेंचमार्क में ऐसा ही निवेश करीब 2.12 करोड़ का होता। यानी सीएजीआर 13.46 पर्सेंट का रिटर्न मिला है। इस फंड के एसआईपी रिटर्न भी कमाल के रहे हैं। अगर शुरुआत से हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की जाती, तो कुल 29 लाख का निवेश 31 अक्तूबर, 2025 तक 2.2 करोड़ रुपये का हो जाता। अगर पिछले 15 साल से निवेश किया जा रहा है तो 18 लाख का योगदान बढ़कर 55.4 लाख रुपये तक पहुंच जाता। इसका मतलब 13.76 फीसदी सीएजीआर की दर से रिटर्न मिला। इसी अवधि में इसके बेंचमार्क का रिटर्न केवल 11.88 फीसदी है। पिछले एक, तीन और पांच साल में भी फंड ने लगातार अपने बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया है।

जल्दी निवेश करना क्यों है जरूरी

मान लीजिए कि किसी अभिभावक को अपने बच्चे के 18 साल का होने तक 50 लाख रुपये का कोर्पस तैयार करना है। अगर पहले माता-पिता (ए) ने बच्चे के जन्म के समय ही निवेश शुरू किया, तो 18 साल की अवधि में 12% की मान्य वृद्धि दर पर उन्हें हर महीने 6,598 रुपये निवेश करने होंगे। कुल मिलाकर 14.25 लाख रुपये का योगदान करना पड़ेगा। अगर दूसरे माता-पिता (बी) ने बच्चे के छह साल का होने पर निवेश शुरू किया, तो 12 साल की अवधि में उन्हें हर महीने 15671 रुपये लगाने होंगे। कुल योगदान 22.56 लाख रुपये का हो जाएगा। अगर तीसरे माता-पिता (सी) ने निवेश तब शुरू किया जब बच्चा 12 साल का हुआ, तो 12% की वृद्धि दर पर उन्हें हर महीने 47,751 रुपये लगाने होंगे और कुल योगदान 34.38 लाख रुपये तक पहुंच जाएगा। यानी लक्ष्य एक ही हो लेकिन देरी करने वालों को कहीं ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। माता-पिता बी को ए की तुलना में 12.3 लाख और सी को 20.13 लाख रुपये अधिक निवेश करने पड़ेंगे। यही है निवेश में देरी की वास्तविक लागत। अंत में, बात फिर वहीं आती है। निवेश जितना जल्दी शुरू होगा, लंबे समय वाले इक्विटी निवेश की शक्ति उतनी ही प्रभावी होगी। माता-पिता चाहें तो बहुत सधी हुई रफ्तार से बच्चे के सपनों जैसा उज्ज्वल भविष्य गढ़ सकते हैं।

हर माह 10,000 रुपये की बचत, बच्चों के लिए बनाएं 43 लाख का फंड

पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम और सुकन्या समृद्धि योजना यानी एसएसवाई स्कीम में आप हर साल थोड़ा थोड़ा निवेश कर लाखों का फंड बना सकते हैं। दोनों स्कीम में आपको 15 सालों तक अपने निवेश को जारी रखना होता है। आइए जानते हैं...

पैसों को एक अच्छी स्कीम में निवेश करना हर व्यक्ति के लिए जरूरी होता है। हर व्यक्ति को अपनी मंथली इनकम का कुछ हिस्सा एक अच्छी स्कीम में निवेश जरूर करना चाहिए, जिससे वह अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित कर सकें। ऐसी कई स्कीम और योजनाएं हैं, जहां आप अपने पैसों को सुरक्षित निवेश कर सकते हैं और लाखों का रिटर्न पा सकते हैं। आज हम आपको दो ऐसी स्कीम में बारे में बताएंगे, जिसमें आप हर महीने केवल 10,000 रुपये निवेश कर पूरे 43 लाख रुपये से ज्यादा का फंड बना सकते हैं। यह दोनों स्कीम सरकारी स्कीम है। ऐसे में यहां आपका पैसा भी सुरक्षित रहेगा। हम बात कर रहे हैं पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम और सुकन्या समृद्धि योजना यानी एसएसवाई स्कीम के बारे में. दोनों ही स्कीम में आप हर साल थोड़ा थोड़ा निवेश कर सकते हैं और दोनों स्कीम में आपको 15 सालों तक अपने निवेश को जारी रखना होता है।

पीपीएफ और एसएसवाई में रिटर्न

पीपीएफ में 7.1 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है और एसएसवाई में 8.2 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है। पीपीएफ में कोई भी व्यक्ति निवेश कर सकता है लेकिन एसएसवाई में केवल माता-पिता अपना 10 साल से कम उम्र की बेटी के नाम पर निवेश कर सकते हैं। दोनों ही स्कीम में 1000 रुपये से 1.50 लाख रुपये प्रति वर्ष निवेश किया जा सकता है।

ऐसे बढ़ेगा आपका फंड

अगर आप हर महीने 10,000 रुपये की बचत कर 5-5 हजार रुपये दोनों स्कीम में 15 सालों तक निवेश करते हैं तो आप 43 लाख रुपये से ज्यादा का फंड बना सकते हैं। हर महीने 5000 रुपये अगर आप पूरे 15 सालों तक पीपीएफ में निवेश करते हैं तो आप 15 सालों में कुल 9 लाख रुपये निवेश करेंगे। 15 साल बाद आपको कुल 16.27 लाख रुपये मिलेंगे। ऐसे में आपको 7.27 लाख रुपये का लाभ होगा। हर महीने 5000 रुपये अगर आप पूरे 15 सालों तक एसएसवाई में निवेश करते हैं तो आप 15 सालों में कुल 9 लाख रुपये निवेश करेंगे। 15 साल बाद आपको कुल 27.71 लाख रुपये मिलेंगे। ऐसे में आपको 18.71 लाख रुपये का लाभ होगा। इस तरह से आप 15 साल में कुल 43.98 लाख रुपये का फंड बना सकते हैं।

जॉइंट फैमिली खत्म, अब बुढ़ापे में कौन देगा सहारा? मिडिल क्लास की सबसे बड़ी टेंशन पर अलर्ट

योजना बनाने में देरी से रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त धन नहीं हो पाता जमा जिससे भविष्य हो जाता है अनिश्चित

भारत में रिटायरमेंट का संकट गहरा रहा है, क्योंकि पुरानी व्यवस्थाएं अब पर्याप्त नहीं हैं। बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य खर्च और सामाजिक सुरक्षा की कमी के कारण 70% से अधिक वरिष्ठ नागरिक परिवार पर निर्भर हैं। योजना बनाने में देरी से रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त धन जमा नहीं हो पाता, जिससे भविष्य अनिश्चित हो जाता है।

नई दिल्ली: भारत में रिटायरमेंट का संकट अब आने वाला नहीं है, बल्कि यह पहले से ही मौजूद है। ज्यादातर भारतीय परिवार इसके लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं हैं। वेल्थ एडवाइजर नितिन पुष्करन ने इसे लेकर लिंक्डइन पर एक पोस्ट में चेतावनी दी है। उनके मुताबिक, बच्चों का सहारा, पेंशन या प्रॉपर्टी जैसी पुरानी व्यवस्थाएं अब रिटायरमेंट को सुरक्षित करने के लिए काफी नहीं हैं। पुष्करन ने लिखा, 'हम संयुक्त परिवार वाली व्यवस्था से निकलकर एकल आय वाली अर्थव्यवस्था में आ गए हैं।' उन्होंने बताया कि बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी खर्च और सामाजिक सुरक्षा की कमी ने मिलकर देश में एक बड़ा आर्थिक संकट पैदा कर दिया है। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, 60 साल से ज्यादा उम्र के 70% से अधिक भारतीय पूरी तरह से अपने परिवार पर निर्भर हैं। वहीं, 10% से भी कम लोग ईपीएफ, एनपीएस या सुपरएन्युएशन जैसी किसी भी रिटायरमेंट स्कीम में नियमित रूप से पैसा जमा करते हैं।

क्या फेल होती है रिटायरमेंट प्लानिंग?

पुष्करन ने इस बात पर जोर दिया कि रिटायरमेंट में असफलता का कारण आय की कमी नहीं, बल्कि योजना बनाने में देरी है। उन्होंने एक उदाहरण दिया कि अगर कोई 35 साल का व्यक्ति आज से 10,000 रुपये हर महीने एसआईपी में लगाना शुरू करे तो 60 साल की उम्र तक उसके पास 1 करोड़ रुपये से ज्यादा जमा हो जाएंगे।

संकट बढ़ाने वाले कई और कारण

इस संकट को बढ़ाने वाले कुछ और कारण भी हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाला खर्च 11-14% तक है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा में से एक है। साथ ही, लोगों की औसत उम्र भी 70 साल से ज्यादा हो गई है। पुष्करन ने यह भी बताया कि नौकरी के बीच में ईपीएफ से पैसे निकालना भी एक बड़ी वजह है, जिससे कई नौकरीपेशा लोगों का रिटायरमेंट के लिए जमा होने वाला एकमात्र जरिया खत्म हो जाता है। भारत लौटने वाले एनआरआई (अनिवासी भारतीय) भी अक्सर रिटायरमेंट के बाद के खर्चों का सही अंदाजा नहीं लगा पाते। उनकी सलाह सीधी और स्पष्ट है, 'रिटायरमेंट के लिए पहली प्राथमिकता से योजना बनाएं, बची हुई रकम से नहीं। आपकी भविष्य की जीवनशैली आपके बच्चों या ईएमआई पर निर्भर नहीं होनी चाहिए।'

लॉन्ग टर्म एसआईपी करोड़पति तो बना देगी, लेकिन उस पर टैक्स कितना भरना पड़ेगा?

एक्सपर्ट्स की राय

बिजनेस डेस्क

एसआईपी में निवेश करके लॉन्ग टर्म में करोड़ों का फंड बनाया जा सकता है। आजकल वित्तीय एक्सपर्ट्स भी एसआईपी में निवेश करने की सलाह देते हैं। निवेशकों के साथ ही सोशल मीडिया पर भी एसआईपी में निवेश करने के फायदे गिनाए जाते हैं। यह सुनकर तो बहुत अच्छा लगता है कि 20-25 साल लगातार एसआईपी में निवेश करने के बाद आपके पास करोड़ों रुपए का फंड जमा हो जाएगा, आप करोड़पति बन जाएंगे। लेकिन आपको यह नहीं बताया जाता है कि एसआईपी रिटर्न जब आपको मिलेगा तब आपको कितना टैक्स भरना पड़ेगा। लॉन्ग टर्म में कमाई गई आई पर आपको टैक्स का भुगतान करना पड़ेगा जिससे आपका रिटर्न कम हो जाएगा।

रिटर्न के साथ टैक्स का भुगतान

लंबे समय के बाद आप यदि एसआईपी पर भारी भरकम मुनाफा कमाते हैं तो उस पर आपको टैक्स का भुगतान करना ही पड़ेगा। इसीलिए आपको पहले ही समझ जाना चाहिए की लॉन्ग टर्म कैपिटल गैन टैक्स सिस्टम के अंतर्गत एसआईपी रिटर्न पर आपको कितना टैक्स देना पड़ेगा और कितना रिटर्न आपको मिल सकता है।

उदाहरण से समझिये पूरा गणित

मान लेते हैं कि आप हर महीने 15000 एसआईपी में निवेश करते हैं। यह एसआईपी लगातार 20 साल तक जारी रखी जाती है। और यदि इस पर आपको 12% की दर से औसतन रिटर्न भी मिले तो 20 साल बाद मिलने वाला ब्याज सहित कुल रिटर्न 1,49,87,219 हो जाएगा। प्लीज रिटर्न पर आपको लॉन्ग टर्म कैपिटल गैन टैक्स का भुगतान करना होगा। नियम के अनुसार यदि आपका लाभ 1 साल से ज्यादा के निवेश पर 1,25,000 से ज्यादा है तो उस पर आपको 12.5% टैक्स के साथ 4% सेस का भी भुगतान करना पड़ेगा। यानी 1,49,87,219 में से 1,25,000 हटाने के बाद बची राशि पर आपको 12.5% टैक्स और 4% सेस का भुगतान करना पड़ेगा। इसके बाद भी आपको एक करोड़ से ज्यादा का रिटर्न तो मिलेगा ही लेकिन आपका रिटर्न थोड़ा कम हो जाएगा। इसलिए यदि आप लॉन्ग टर्म के लिए एसआईपी कर रहे हैं तो अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में यह भी शामिल करें कि उसे एसआईपी पर आपको बाद में टैक्स का भुगतान भी करना पड़ेगा।

अब इस डिजिटल पेमेंट के तरीके में एक और दमदार ट्विस्ट

स्मार्ट होता भारत अब यूपीआई से पा रहा क्रेडिट का फायदा, मिल रहे रिवॉर्ड और कैशबैक भी

सोचिए आप दुकान पर जाएं, यूपीआई से पेमेंट करें और आपका न सिर्फ सेकंड्स में पेमेंट पास हो जाए, बल्कि कैशबैक भी मिल जाए। है ना फायदे का सौदा? ये ही फायदा लेकर आया है कीवी एप , जिससे पेमेंट करना आपको फायदा ही फायदा पहुंचाएगा। क्योंकि इस पर कैशबैक के साथ ही ईएमआई तक की सुविधा का आनंद लिया जा सकता है।

योजना

बिजनेस डेस्क

पैसों से जुड़े लेन-देन के तरीकों की भारत में यात्रा काफी लंबी और रोचक रही है। पहले जहां लोग जेब में कैश या चेक लेकर घूमते थे, तो वहीं बाद में इसकी जगह डेबिट/क्रेडिट कार्ड्स ने ले ली। और फिर आया पेमेंट को सुपर ईजी बना देने वाला बदलाव, यानी यूपीआई क्यू कोड, जिसमें व्यक्ति बस एक स्कैन करता है और महज सेकंड्स में ट्रांजेक्शन पूरा हो जाता है। अब इस डिजिटल पेमेंट के तरीके में एक और दमदार ट्विस्ट आ चुका है। इसमें लोगों को न सिर्फ यूपीआई पेमेंट की रफ्तार और सहूलियत मिल रही है बल्कि वो क्रेडिट की ताकत का फायदा भी उठा रहे हैं। सोचिए कि आप किसी किराना स्टोर में जाएं, वहां पर अपनी रोजाना की चीजें खरीदें और यूपीआई स्कैन से तुरंत पेमेंट कर दें, लेकिन इसके बावजूद आपके सेविंग अकाउंट से एक भी पैसा न कटे! और तो और आपको क्रेडिट कार्ड कैशबैक, रिवॉर्ड पॉइंट्स व बड़ी खरीदारी के भुगतान को ईएमआई में तब्दील करने का विकल्प भी मिल जाए। है ना ये शॉपिंग एक्सपीरियंस में दमदार ट्विस्ट? इसका श्रेय जाता है कीवी जैसे प्लेटफॉर्म को जिसने यूपीआई पेमेंट्स को एप के जरिए क्रेडिट से जोड़ने का काम किया है। यानी अब आप यूपीआई पेमेंट सीधे क्रेडिट कार्ड से कर सकते हैं।

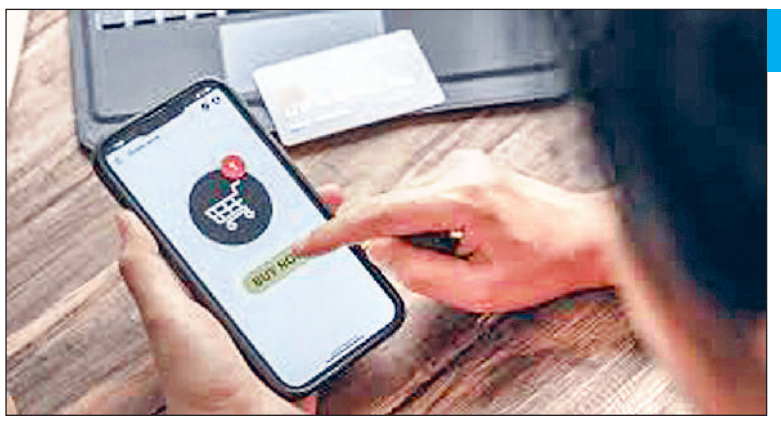

एक स्कैन और बैंक से सीधे कट जाती है राशि

चाहे किताब खरीदनी हो, घर के लिए चावल या फिर वॉशिंग मशीन, सभी तरह की खरीदारी के लिए यूपीआई सबसे आम तरीकों में से एक बन चुका है। एक स्कैन से सारे पेमेंट हो जाते हैं, जिसके लिए बैंक अकाउंट से पैसे कटते हैं। अब इसमें समस्या ये है कि अगर व्यक्ति के खाते में पर्याप्त राशि नहीं हुई, तो पेमेंट अप्रूव नहीं होगा। साथ ही इसमें पूरा भुगतान एकमुश्त ही करना होता है फिर चाहे आप 10 रुपये की चीज खरीद रहे हों या फिर 50,000 रुपये की। इससे जेब पर एकदम से काफी भार भी पड़ता है। लेकिन अगर आपके यूपीआई के साथ क्रेडिट कार्ड की ताकत जुड़ी हो, तो इन चीजों का भार हल्का हो जाता है।

रुपे क्रेडिट कार्ड फॉर यूपीआई के फायदे

- तुरंत और आसान भुगतानः बस स्कैन करें और यूपीआई से भुगतान करें। यानी आपको पेमेंट के लिए न तो अपने साथ क्रेडिट कार्ड कैरी करने की जरूरत है और ना ही वॉलेट में कैश तलाशने की।
- रिवॉर्ड और कैशबैकः यूपीआई पेमेंट करने पर भी कैशबैक और रिवॉर्ड पॉइंट्स जैसे फायदे मिलते हैं, वो भी बिना किसी उलझन भरी शर्तों या छिपे हुए नियमों के।
- बाद में पेमेंट की सुविधाः बड़े अमाउंट को आप आसानी से ईएमआई में तबदील कर सकते हैं, जिससे आपकी जेब पर एकदम से बोझ नहीं आता।

यहां क्रेडिट और यूपीआई चलते हैं साथ-साथ

यूपीआई पर क्रेडिट का फायदा पाने के काम को कीवी ने बेहद आसान बना दिया है। बस आपको कीवी एप पर साझेदार बैंकों द्वारा जारी किए गए पर रुपे क्रेडिट कार्ड को ऐप के जरिए यूपीआई से जोड़ना है, जिसका प्रोसेस काफी आसान है। एक बार ये लिंक हो गया, तो यूजर कीवी एप के जरिए ईजी पेमेंट, रिवॉर्ड्स के साथ ही पेमेंट को ईएमआई में बदलने जैसे कई फायदों का लाभ उठा सकेगा। कीवी एप से हुए यूपीआई पेमेंट्स पर कम से कम 1.5% का कैशबैक मिलता है, जो सीधा बैंक में जाता है, जिसे कभी भी निकालकर इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें न तो कोई छुपी हुई शर्तें हैं और ना ही कोई जटिल कन्वर्जन। और तो और कीवी एप पर उपलब्ध रुपे क्रेडिट कार्ड फॉर यूपीआई पूरी तरह से लाइफटाइम फ्री भी है। कुल मिलाकर ये आज के डिजिटल इंडिया के लिए ही बना है, जो शॉपिंग के एक्सपीरियंस को ईजी और रिवॉर्ड रिच बना देता है।

क्रेडिट-स्मार्ट और सशक्त होता भारत

जैसे-जैसे ज्यादा लोग यूपीआई के जरिए क्रेडिट का इस्तेमाल करने लगे हैं, वैसे-वैसे भारत में पैसे खर्च करने और संभालने का तरीका धीरे-धीरे बदलता जा रहा है। जो लोग अब तक सिर्फ डेबिट कार्ड या नकद पर निर्भर थे, उनके लिए ये बिना किसी झंझट के क्रेडिट की दुनिया में कदम रखने का आसान रास्ता बन गया है। कीवी जैसे प्लेटफॉर्म की पारदर्शी और आसान सेवाओं से भारत में डिजिटल पेमेंट न सिर्फ तेज हो रहे हैं, बल्कि ये लोगों को अधिक सशक्त और क्रेडिट स्मार्ट भी बना रहे हैं, जो नए भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने में सक्षम बनाता है।

खबर संक्षेप

धोखाधड़ी करने के दो आरोपी गिरफ्तार

हांसी। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने पार्ट टाइम जॉब कर टास्क पूरा करने के नाम पर 3,33,676रुपये की धोखाधड़ी मामले में दो आरोपियों शाकिर हुसैन व विशाल निवासी ज्योति नगर जोधपुर को गिरफ्तार किया है। एएसआई सज्जन कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों ने कुछ दिनों पहले अपने साथियों के साथ मिलकर बास निवासी मनीष को पार्ट टाइम जॉब का झांसा व टास्क पूरा करने के नाम पर 3,33,676 रुपये की धोखाधड़ी की थी। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करके न्यायालय के आदेश अनुसार न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

अवैध देशी शराब की 36 बोतल के साथ एक काबू

हांसी। सीआईए पुलिस नारनौंद ने 36 बोतल अवैध देशी शराब सहित अजीत निवासी बड़सी को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी देते हुए एएसआई अनिल ने बताया कि सीआईए पुलिस ने गश्त पड़ताल के दौरान शक के आधार पर हाजमपुर गांव के समीप शक के आधार पर मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को रुकवाकर पीछे रखे प्लास्टिक कट्टों की तलाशी ली तो उसके अंदर अवैध देशी शराब की 36 बोतल बरामद हुई। मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति से शराब के बारे में पूछा तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। जिसके बाद आरोपी को अवैध शराब सहित गिरफ्तार कर उसके खिलाफ थाना सदर हांसी में शराब अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अवैध शराब व मोटरसाइकिल को कब्जा पुलिस में लिया गया है।

आतंकी हमले के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की

हांसी। जाट धर्मशाला में शनिवार को प्रधान रणधीर दलाल की अध्यक्षता में शोक सभा आयोजित की गई। शोक सभा में लाल किले पर आतंकी हमले में मारे गए नागरिकों की मृत्यु पर शोक प्रकट करते हुए 2 मिनट का मौन रखा गया। बैठक में 29 नवंबर को जाट धर्मशाला में होने वाले शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा के अभिनंदन समारोह के बारे चर्चा की गई। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र पूनिया, रणधीर पनिहार विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। बैठक में प्रविन्द लोहान, जय सिंह पाली, सुरेश कमांडो, राजपाल सिंघवा, आदि मौजूद रहे।

नागरिक अस्पताल परिसर से बाइक चोरी

हांसी। अज्ञात चोर नागरिक अस्पताल में उपचाराधीन से मिलने आए एक दुकानदार की बाइक चुराकर ले गए। अस्पताल परिसर से बाइक चोरी की घटना ने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।। पुलिस को दी गई शिकायत में भगत सिंह रोड निवासी अमित ने बताया कि वह 20 नवंबर की रात करीब 8 बजे अस्पताल में भर्ती अपने एक परिचित से मिलने गए थे। उसने अपनी बाइक को अस्पताल परिसर में लॉक कर खड़ा किया था।

हिसार सैन्य स्टेशन में पूर्व सैनिक रैली 29 को

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी होंगे मुख्य अतिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

डॉट डिवीजन के अधिकार क्षेत्र में रहने वाले पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और वीर माताओं के सम्मान और कल्याण के उद्देश्य से 29 नवंबर को हिसार सैन्य स्टेशन में एक भव्य पूर्व सैनिक रैली आयोजित की जाएगी। इस आयोजन का मुख्य मकसद उन पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के अमूल्य योगदान को नमन करना है, जिन्होंने देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस संबंध में भारतीय सेना के कर्नल जयंत सिंह ने हिसार मिलिट्री कैंट में प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि रैली में हरियाणा के भिवानी, चरखी दादरी, फतेहाबाद, हिसार, झज्जर, जींद, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, रोहतक और सिरसा जिलों के पूर्व सैनिक शामिल होंगे। कार्यक्रम में कल्याण और सम्मान से जुड़े कई आयोजन किए जाएंगे। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। उनके साथ लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, एवीएसएम, वाईएसएम, वीएसएम, जीओसी-इन-सी दक्षिण पश्चिमी कमान सहित वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, नागरिक गणमान्य व्यक्ति और पूर्व सैनिक बिरादरी के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे।

- रैली में भिवानी, चरखी दादरी, फतेहाबाद, हिसार, झज्जर, जींद, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, रोहतक और सिरसा जिलों के पूर्व सैनिक होंगे शामिल

1500 से अधिक पूर्व सैनिक व वीर नारियां आएंगी

हरियाणा लंबे समय से सैन्य परंपराओं का केंद्र रहा है और इसने बड़ी संख्या में वीर सैनिक और युद्ध नायक पैदा किए हैं। रैली में 1500 से अधिक पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और वीर माताओं के शामिल होने की संभावना है, जो संवाद, मार्गदर्शन और कल्याण संबंधी मुद्दों पर चर्चा का मंच प्रदान करेगी। यह कार्यक्रम सेवारत और सेवानिवृत्त सैनिकों के बीच सौहार्द की भावना और विकसित भारत 2047 में पूर्व सैनिकों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी उजागर करेगा।

रैली में होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

रैली के दिन की शुरुआत राजा नाहर सिंह पर आधारित देशभक्ति स्वांग, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, सैन्य बैंड और समूह नृत्य से होगी। इसके बाद अभिलेख कार्यालयों, बैंकों, ईसीएचएस, डीपीडीओ, एडब्ल्यूपीओ और ग्रामीण बैंकों के स्टॉलों का अवलोकन किया जाएगा, जहां दस्तावेजी सहायता, शिकायत निवारण और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के लिए एक विशेष चिकित्सा शिविर भी लगाया जाएगा, जिसमें चुनिंदा स्वास्थ्य जांच, कोशिका कैंसर टेस्ट, अस्थि घनत्व जांच, विशेष रक्त परीक्षण और उम्र-संबंधी बीमारियों की पहचान की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान प्रतिष्ठित पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को सम्मानित भी किया जाएगा। विभिन्न सरकारी विभागों की सक्रिय भागीदारी पूर्व सैनिकों को उनका अधिकार और सहायता समय पर प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मुकलान ने डाया को हराकर जीती कबड्डी प्रतियोगिता

हिसार। पुलिस द्वारा खेलों को बढ़ावा देने, युवाओं को नशे से दूर रखने तथा जागरूकता को बढ़ाने के उद्देश्य से गांव मुकलान में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में गांव मुकलान, डाया एवं गोरछी की टीमों के बच्चों व युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबला मुकलान और डाया की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें मुकलान गांव की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 33–29 के स्कोर से मुकाबला जीतकर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। प्रबंधक थाना आजाद नगर एवं कम्युनिटी पुलिसिंग टीम ने भाग लिया।

कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने दी दोनों को बधाई

मार्केट कमेटी के चेयरमैन रोकी व वाइस चेयरमैन डालमिया ने संभाला पदभार

- किसानों की सुविधा सर्वोपरि, मंडी के विकास को मिलेगी नई गति : कैबिनेट मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार मार्केट कमेटी के नवनियुक्त चेयरमैन रविन्द्र रोकी एवं वाइस चेयरमैन अनिल डालमिया ने विधिवत रूप से शनिवार को अपना पदभार ग्रहण किया। कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, विधायक विनोद भयाना, पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता एवं हिसार जिलाध्यक्ष आशा खेदड़ ने पदभार ग्रहण कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि मार्केट कमेटी प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। किसान एवं व्यापारी समुदाय की सुविधा के लिए मंडी व्यवस्था का सुचारू संचालन अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार का लक्ष्य किसानों को आधुनिक, सुरक्षित और पारदर्शी मंडी व्यवस्था उपलब्ध करवाना है और उन्हें उम्मीद है कि नया नेतृत्व इस दिशा में प्रभावी भूमिका निभाएगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार मंडियों के आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दे रही है। मंडी परिसर में सडक़ निर्माण, शेड, लाइटिंग, पानी, पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था तथा तकनीकी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कदम उठाए जा रहे हैं।

हिसार। नवनियुक्त चेयरमैन रविन्द्र रोकी एवं वाइस चेयरमैन अनिल डालमिया को पदभार ग्रहण करवाते कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

योजनाबद्ध तरीके से काम करेंगे : रोकी

इस मौके पर चेयरमैन रविद्र रोकी ने कहा कि सभी सदस्यों को साथ लेकर मार्केट कमेटी को चलाएंगे। अनाज मंडी, सब्जी मंडी के विकास को लेकर योजना बद्ध तरीके से काम करेंगे। पार्टी के नेतृत्व की ओर से मिले निर्देशों की पालना करते हुए हिसार अनाज मंडी के उत्थान का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को उनकी उपज का सही और समय पर मूल्य मिल सके, इसके लिए मंडी व्यवस्था को और मजबूत करने पर काम कर रही है।

इस अवसर पर जिला महामंत्री कृष्ण सरसाना व आशीष जोशी, हिसार द्वितीय ब्लॉक समिति के चेयरमैन अजय गावड़, सुरेंद्र मंडा, अशोक मित्तल व पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हिसार। कार्यक्रम में आचार्य बलजीत सिंह आर्य को सम्मानित करते कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा। *फोटो : हरिभूमि*

गुरुकुल शिक्षा पद्धति भारतीय संस्कृति की मजबूत धरोहर : रणबीर गंगवा

कन्या गुरुकुल डोभी का 15वां वार्षिक महोत्सव शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि गुरुकुल शिक्षा पद्धति भारतीय संस्कृति की वह मजबूत धरोहर है। इस शिक्षा पद्धति ने सदैव समाज को संस्कारित, अनुशासित और राष्ट्रहित में समर्पित पीढ़ी प्रदान की है। मंत्री रणबीर गंगवा गांव डोभी स्थित कन्या गुरुकुल में शनिवार को 15वें वार्षिक महोत्सव एवं रानी लक्ष्मीबाई ब्लॉक के उद्घाटन कार्यक्रम उपरांत संबोधन दे रहे थे। उन्होंने कन्या गुरुकुल डोभी को पांच लाख रुपये तथा पांच लाख रुपये ब्लॉक समिति के कोटे से भिजवाने की घोषणा की।

कैबिनेट मंत्री ने रानी लक्ष्मीबाई ब्लॉक के शुभारंभ को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि नई सुविधाओं और उन्नत अधोसंरचना से छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और प्रेरणादायी शैक्षणिक वातावरण मिलेगा। बेटियों के लिए बेहतर शिक्षा व्यवस्थाएं तैयार करना हरियाणा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर हिसार द्वितीय ब्लॉक समिति के चेयरमैन अजय गावड़, गौशाला प्रधान कुलबीर मोर, कमल सर्राफ, सुशील अग्रवाल, आचार्य बलजीत सिंह आर्य, दलबीर मोर, मुनीष ऐलावादी, डीएसपी दलजीत सिंह, इंद्रजीत आर्य, प्रवीण झंडू, स्वामी रामानंद वैश, सरपंच आजाद हिंदुस्तानी, अमृता, आचार्य देवदत्त शास्त्री, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, कर्नल ताराचंद, हवा सिंह व सुभाष नंबरदार सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ड्रग एब्यूज एंड सोशल रेस्पोंसिबिलिटी पर कार्यक्रम आयोजित

श्री काली देवी विद्या मंदिर में विद्यार्थियों को दिलाई नशे से दूर रहने की शपथ

- कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को समय पर आवश्यक मार्गदर्शन और जागरूकता प्रदान करना रहा
- विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

श्री काली देवी विद्या मंदिर में सीबीएसई एवं एनसीबी की पहल के अंतर्गत ड्रग एब्यूज एंड सोशल रेस्पोंसिबिलिटी विषय पर नौवीं से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य उन्हें समय पर आवश्यक मार्गदर्शन और जागरूकता प्रदान करना था।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों द्वारा एक प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति दी गई, जिसमें नशे की लत के विनाशकारी दुष्परिणामों को दर्शाते हुए जिम्मेदार और जागरूक निर्णय लेने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों के सामूहिक शपथ ग्रहण के साथ हुआ, जिसमें सभी ने नशा मुक्त समाज के निर्माण और प्रभावित व्यक्तियों के सहयोग के लिए अपने दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया।

विद्यालय प्राचार्या गीता मेहता ने युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से बचाने की आवश्यकता पर गहन चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जागरूकता के साथ-साथ मानसिक एवं भावनात्मक सशक्तिकरण भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को योग, ध्यान, संगीत एवं खेल जैसी स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

हांसी। स्कूल स्टाफ व विद्यार्थियों को नशा मुक्त समाज के निर्माण और प्रभावित व्यक्तियों के सहयोग के लिए शपथ दिलाती स्कूल की प्राचार्या। *फोटो : हरिभूमि*

आरपीएस पब्लिक स्कूल के छात्रों ने किया गुरुद्वारे का भ्रमण

हांसी। आरपीएस पब्लिक स्कूल के तीसरी से पांचवी कक्षा के छात्रों को एक विशेष शैक्षणिक भ्रमण पर हिसार के गुरुद्वारा साहिब ले जाया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को हमारे विविध धर्मों, संस्कृतियों और गुरुद्वारे की परंपराओं के बारे में समझाना था। गुरुद्वारा पहुंचने पर बच्चों ने सबसे पहले अंदर की शांति, सेवा भाव और अनुशासन को महसूस किया। विद्यालय के शिक्षकों ने बच्चों को बताया कि गुरुद्वारे में आने वाला हर व्यक्ति समान माना जाता है और सभी को सम्मान दिया जाता है। बच्चों ने वहां की लंगर सेवा के बारे में भी जाना कि यहां किस प्रकार से हजारों लोग रोजाना निःशुल्क भोजन करते हैं और यह सेवा समाज में समानता और भाईचारे का संदेश देती है। गुरुद्वारे के ग्रंथी कुलदीप सिंह ने बच्चों को सिख धर्म के मूल सिद्धांतों, नाम जपना, कीरत करना और वंड छकना के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी। बच्चों ने इस भ्रमण को अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और अनुशासन का पाठ पढ़ाने वाला बताया।

हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं के नाम

तेरहवां पुरस्कार (सांत्वना पुरस्कार) (151 से 200)

❖ शंकर लाल पुत्र श्री राम अवतार निवासी गांव हनुमान ढाणी, जिला भिवानी ❖ कार्तिक पुत्र श्री श्याम सुन्दर निवासी वार्ड नं. 6, गांव चांग, भिवानी ❖ बिशम्बर पुत्र श्री हरीश चन्द्र निवासी गांव लहलाना जिला भिवानी ❖ भूप सिंह वशिष्ठ पुत्र श्री रामगोपाल निवासी मकान नं. 41, चौखमइश, भिवानी ❖ श्रेयांश पुत्र श्री संजीव कुमार निवासी अलबेला गली, जैन चौक, भिवानी ❖ प्रिया पुत्री श्री संदीप कुमार निवासी सीसीएसएचएयू, गेट नं.2, हिसार ❖ पूजा पत्नी श्री विजेन्द्र निवासी गांव नर्कीपुर जिला भिवानी ❖ रविन्द्र पुत्र श्री राजपाल निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ निखिल कुमार पुत्र श्री सोमबीर निवासी गांव तिगराना जिला भिवानी ❖ रोबिन पुत्र श्री कुलबीर निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ कुलदीप पुत्र श्री करतार सिंह निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ संदीप पुत्र श्री सुरत सिंह निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ प्रदीप पुत्र श्री हरिचन्द निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ आकार दहिया पुत्र श्री कर्मवीर दहिया निवासी वार्ड नं. 3, गांव तिगराना, जिला भिवानी ❖ नेहा पत्नी आकाश दहिया निवासी वार्ड नं. 3, गांव तिगराना, जिला भिवानी ❖ आकाश पुत्र श्री संजय निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ जीवंश पुत्र श्री विकास निवासी ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ अमित पुत्र श्री वेद प्रकाश निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ नवीन पुत्र श्री प्रदीप अरोड़ा निवासी मकान नं. 219, चिरंजीव कालोनी, भिवानी ❖ रोहित पुत्र श्री ओम प्रकाश निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ कांता पत्नी बलबीर शर्मा निवासी इंद्राज गार्डन के पीछे, बैंक कालोनी, भिवानी ❖ संदीप पुत्र श्री सुभाष निवासी नजदीक ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ नीलम देवी पत्नी श्री मनोज कुमार निवासी गांव व डाकखाना तिगड़ाना, जिला भिवानी ❖ सोमबीर सिंह पुत्र श्री प्रभाती राम निवासी गांव तिगड़ाना, वार्ड नं. 3, जिला भिवानी ❖ प्राची पुत्री श्री विरेन्द्र निवासी ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ मदन लाल पुत्र श्री रामधारी निवासी मकान नं. 582, सेक्टर 13, हुडा, भिवानी ❖ महाबीर सिंह पुत्र श्री चन्दगी राम निवासी गांव व डाकखाना दिनोद, वार्ड नं. 5, भिवानी ❖ धर्मवीर सिंह पुत्र श्री प्रभाती राम निवासी गांव तिगड़ाना वार्ड नं.3, जिला भिवानी ❖ मनोज कुमार पुत्र श्री प्रभाती राम निवसी गांव तिगड़ाना, जिला भिवानी ❖ सचिन पुत्र श्री कर्मबीर निवासी गांव तिगड़ाना जिला भिवानी ❖ सुमन देवी पत्नी श्री सोमबीर निवासी वार्ड नं.3, गांव तिगड़ाना जिला भिवानी ❖ रवि कुमार पुत्र श्री सोमवीर निवासी गांव तिगड़ाना जिला भिवानी ❖ सन्तोष देवी धर्मपत्नी करनबीर सिंह, दाड़ौली, चरखी दादरी ❖ पूर्वांशी सुपुत्री सोमबीर, दगड़ौली, चरखी दादरी ❖ भूपेश सुपुत्र श्री सोमबीर, दगड़ौली, बाढड़ा, चरखी दादरी ❖ श्री आनन्द सुपुत्र प्रभु सिंह, एमसी कॉलोनी, चरखी दादरी, तह. जिला चरखी दादरी ❖ श्री पवन कुमार हेयर ड्रेसर, सुपुत्र श्री सुभाष चंद्र, हीरा चौक, बधवाना गेट, तह. व जिला चरखी दादरी ❖ श्री दलबीर सिंह सुपुत्र श्री शीशराम नंबरदार, बिरही कलां, तह. व जिला चरखी दादरी ❖ श्री जय भगवान सुपुत्र श्री नफे सिंह, 1344/1, लाल बहादुर शास्त्री नगर, रोहतक ❖ श्री रामकवार सुपुत्र श्री गुगुनराम (पानन्य), गांव व डा. करौंथा, शीतल नगर, रोहतक ❖ श्रीमति पूजा पत्नी श्री सुनील चावला, म.नं. 304, बड़ा पाना, कलानौर, रोहतक ❖ श्री धर्मवीर सुपुत्र मीर सिंह, गांव व डा. बलियाणा, तह. सांपला, रोहतक ❖ श्री यागेश सुपुत्र नरेंद्र, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्री भास्कर राय सुपुत्र श्री रामचंद्र राय, 824/20, एकता कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री संजय सुपुत्र श्री रामतीर्थ शर्मा, 1035/1, शास्त्री नगर, रोहतक ❖ श्री मनमोहन सुपुत्र श्री नरेंद्र जिंदल, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्रीमति राजरानी पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्री नरेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री महावीर प्रसाद, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्री अशोक सुपुत्र श्री ओमप्रकाश, अग्रसेन कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री दीपक सुपुत्र श्री अशोक, अग्रसेन कॉलोनी, रोहतक

क्रमशः

शेष विजेताओं की सूची अगले अंक में देखें

आवश्यक सूचना :

1. सभी पुरस्कारों का वितरण 1 दिसम्बर 2025 से किया जाएगा।
2. पुरस्कार संख्या 1 से 3 तक के विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, रोहतक से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
3. पुरस्कार संख्या 4 से 13 उपहार के विजेताओं को संबंधित हरिभूमि कार्यालय अभिकर्ता से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
4. यदि किसी भी पुरस्कार पर सरकार के नियमानुसार टी.डी.एस. लागू होगा तो विजेता को लागू टी.डी.एस. की राशि हरिभूमि कार्यालय में एडवांस में जमा करनी होगी।
5. पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आपको अपने साथ पुरस्कार विजेता की फोटो आईडी की फोटो प्रति जमा करनी होगी। मूल प्रति को मिलान हेतु साथ में लाना अनिवार्य है।
6. अधिक जानकारी के लिए आप निम्न नम्बरों पर हरिभूमि प्रसार विभाग में प्रातः 11.00 से सायं 4.00 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं :- फोन : 9253681019-20

- कार्यालय पता -

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 9253681005, 7988727916

हिसार। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते अतिथिगण।

राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में गुंजन रही द्वितीय

हिसार। महावीर कॉलोनी स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय की आठवीं कक्षा की छात्रा गुंजन ने सब जूनियर नेशनल जूडो चैंपियनशिप में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय व अध्यापकों और परिजनों का सिर सम्मान से ऊंचा कर दिया। इससे पहले राज्यस्तरीय प्रतियोगिता करनाल में आयोजित हुई जिसमें गुंजन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता 18 नवंबर को हैदराबाद में आयोजित हुई। विद्यालय मुख्याध्यापिका बृज बाला ने इस विशेष उपलब्धि के लिए गुंजन इसके परिवार के सदस्यों व अध्यापको को श्रेय दिया और भविष्य में होने वाली प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दी।

मंगाली कॉलेज में तीसरी वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं

दिवेश और सुमिता बने बेस्ट एथलीट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

राजकीय महाविद्यालय मंगाली में तीसरी वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन धूमधाम से किया गया। एथलेटिक मीट में लंबी कूद, दौड़ एवं थ्रो आदि विभिन्न प्रतियोगिताएं शामिल रही। पुरुष वर्ग में बीए प्रथम वर्ष के दिवेश को बेस्ट एथलीट व महिला वर्ग में बीए द्वितीय वर्ष की सुमिता को बेस्ट एथलीट घोषित किया गया।

इससे पूर्व कार्यक्रम के आरंभ में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अंजू चौधरी ने मुख्य अतिथि डॉ. एलिजा कुंडू का स्वागत किया। मुख्य अतिथि डॉ. एलिजा कुंडू ने कहा कि खेल अनुशासन में रहकर नेतृत्व की क्षमताओं को विकसित करता है, खेल हमें हार, जीत, धर्म और जाति से ऊपर उठकर सफलता की ओर अग्रसर होना सिखाता है। प्रतियोगिता के प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह रहे जबकि कार्यक्रम का संचालन दीपक आर्य ने किया। इस अवसर पर डॉ. नेहा रानी, डॉ. दयानंद आर्य, डॉ. सुदेश रानी, डॉ. वीरेंद्र, डॉ. गीता गोयल, संजय, ज्योति, डॉ. मोनिका, डॉ. मंजीत सिंह, अजय कुमार और सीमा सहित अन्य स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हिसार। खेल प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन करते विद्यार्थी तथा सुमिता को सम्मानित करते मुख्य अतिथि व अन्य।

यह रहे परिणाम

मीडिया प्रभारी डॉ. कमलप्रीत कौर ने बताया कि खेल प्रतियोगिताओं के 100 मीटर दौड़ में अंजू प्रथम, सुमित द्वितीय तथा प्रियंका तृतीय स्थान पर रही, 200 मीटर दौड़ में सुमित प्रथम, प्रियंका द्वितीय तथा अंजू तृतीय स्थान पर रही व 400 मीटर दौड़ में सुमित प्रथम स्थान पर, अंजू द्वितीय स्थान पर तथा रितु तृतीय स्थान पर रही। लंबी कूद में सुमित प्रथम, अंजू द्वितीय तथा सरिना तृतीय स्थान पर रही। शॉट पुट थ्रो में आस्था प्रथम, सुमित द्वितीय तथा अंजू तृतीय स्थान पर रही।

बा अदालत जनाब उपमण्डल अधिकारी (ना०) साधिकार कलैक्टर महोदय, डबवाली।

पृथ्वी राज बनाम अमीर चन्द आदि। नोटिस इश्तहार बनामः- अमीर चन्द पुत्र हुक्म चन्द पुत्र सीताल दास निवासी गांव कालूआना, उप-तहसील गोरीवाला, तहसील डबवाली जिला सिरसा।

.....उत्तरवादी

प्रार्थी ने एक पटीशन फकूल रहन वास्ते फक करने भूमि बातफसील खेवट नम्बर 123, खतौनी नम्बर 419 ता 422, किते 45, रकबा 305 कनाल 06 मरले का 24/6106 हिस्सा, जिसका मौजूदा खेवट नम्बर 334, खतौनी नम्बर 752 ता 759, किते 60, रकबा 421 कनाल 10 मरला, वका गांव कालूआना, उपतहसील गोरीवाला, तहसील डबवाली, जिला सिरसा अनुसार जमाबन्दी साल 2017-2018, जिसको हरी राम पुत्र खेमा राम पुत्र मोतो राम निवासी गांव कालूआना, जिला सिरसा बाहक अमीर चन्द उत्तरवादी रहन वा कब्जा बरूये रहननाम वसीका इलेख संख्या 1798 दिनांक 15.01.1973 बाईज्ज मुबलिग 1,500/- रूपया में रहन वा कब्जा कर रखी है। जिसका इंतकाल नम्बर 1137 दिनांक 06.05.1973 बाहक उत्तरवादी दर्ज वा तसदीक हो चुका है। अब प्रार्थी वा तरबीबी उत्तरवादीगणण विवादित भूमि के हरी राम के कुदरती वारसान के कारण मालकान हैं और विवादित भूमि को फक करवा कर, मालकाना कब्जा हासिल करना चाहते हैं। इसलिये विवदित भूमि को प्रावधान के अनुसार फक किया जाकर, मालकाना कब्जा प्रार्थी वा तरतीबी उत्तरवादीगण के हिस्सानुसार दिलवाया जावे। प्रार्थी ने एक अर्जी इस न्यायालय में दायर की है अगर इस बारे में किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार का कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 26-11-2025 को मेरे न्यायालय में असालतन या वकालतन हाजिर होकर अपना दावा या उजर पेश कर सकता है अन्यथा बाद गुजरने मियाद कोई भी एतराज काबिले गौर ना होगा और अदालत हाजिर ना आने पर एक तरफा कार्यवाही करके केस की नियमानुसार सुनवाई कर दी जावेगी। यह इश्तहार आज दिनांक 14-10-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर सहित जारी किया गया।

सब डिविजन ऑफिसर
सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी, डबवाली।

खबर संक्षेप

महायज्ञ में कर्णपुरी महाराज ने किया पुजन

फतेहाबाद। सर्व श्री चंडी माता मंदिर अशोक नगर में आयोजित श्री शतचण्डी हवनात्मक महायज्ञ और रूद्र यज्ञ में शनिवार को रोहतक से आए महामंडलेश्वर स्वामी कर्णपुरी महाराज ने माता सत्यम देवा के साथ विधिवत पूजन कर यज्ञ किया। कार्यक्रम में कर्णपुरी महाराज ने प्रवचन करते हुए कहा कि वेद-शास्त्रों में हवन को जीवन की शुद्धि और वातावरण की पवित्रता का अनमोल माध्यम बताया गया है। हवन में की गई आहुति जहां मनुष्य के अंतर्मन को शुद्ध और शांत करती है, वहीं अग्नि में समर्पित सामग्री पर्यावरण को दिव्यता प्रदान कर नकारात्मक ऊर्जाओं का नाश करती है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब समाज तनाव और अनिश्चितताओं से घिरा है, ऐसे धार्मिक यज्ञ विश्व शांति, सद्भाव और स्वस्थ समाज की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भट्टू पुलिस ने हेरोइन सहित युवक को पकड़ा

फतेहाबाद। नशा तस्करों की धरपकड़ करते हुए भट्टूकलां पुलिस ने एक युवक को हेरोइन सहित काबू किया है। आरोपी की पहचान उमेद उर्फ मोहित, पुत्र सुरेंद्र, निवासी शेखुपुर दड़ोली, जिला फतेहाबाद के रुप मे हुई है। थाना भट्टूकलां प्रभारी उप-निरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि पुलिस टीम रूटीन गश्त के दौरान बस अड्डा से रेलवे स्टेशन भट्टूकलां की ओर जा रही थी। जब पुलिस टीम रेस्ट हाउस के पास पहुंची, तो एक वाहन चालक को शक के आधार पर रोका गया।

कमाई का लालच देकर लाखों की ठगी, दो काबू

फतेहाबाद। टेलीग्राम पर कमाई का लालच देकर लाखों की ठगी करने मामले में साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने यूपी के दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमन त्रिपाठी पुत्र संजय त्रिपाठी तथा राज प्रताप पुत्र राम प्रताप सिंह, निवासी शारदा नगर, जिला लखनऊ के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों से 8500 रुपये की राशि भी बरामद की है।

चोरीशुदा बाइक सहित युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। बाइक चोरी के मामले में थाना शहर टोहाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर चोरीशुदा मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान लवप्रीत सिंह उर्फ लाभु पुत्र अवतार सिंह निवासी कृष्णा कॉलोनी, टोहाना के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना शहर टोहाना में पहले भी 4 मामले दर्ज है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद सिंह ने बताया कि विक्रम पुत्र छजू सिंह, निवासी गांव दमकोरा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 18 अक्टूबर को उसकी मोटरसाइकिल एचडीएफसी बैंक के सामने, से चोरी हो गई थी।

पड़ोसी को धमकी देने के मामले में मां-बेटा काबू

फतेहाबाद। हथियार के बल पर पड़ोसी को धमकी देने के मामले में फतेहाबाद पुलिस ने मां-बेटे को गिरफ्तार किया है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि 3 नवंबर को राकेश पुत्र शिव दयाल निवासी शिवपुरी, फतेहाबाद ने शिकायत दर्ज कराई कि उसके पड़ोसी अक्सर उसे और उसकी पत्नी को हाथ में हथियार दिखाकर धमकाते और गाली-गलौच करते हैं।

शहीदी दिवस पर चेतना समागम का आयोजन

रतिया। गांव लधुवास स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रतिया के शहीद देविंदर सिंह के 24वें शहीदी दिवस को समर्पित चेतना समागम का आयोजन प्राचार्य हरविंदर कुमार की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के स्टॉफ एवं छात्र -छात्राओं ने शहीद की तस्वीर के समक्ष फुल अर्पित करके श्रद्धांजलि दी।

गांव हिजरावां पहुंची 'एक पदयात्रा नशे के खिलाफ'

ग्रामीणों को 'मेरा परिवार-नशामुक्त परिवार' का दिलवाया संकल्प

हरियाणा के युवाओं ने शिक्षा के साथ खेलों में प्रदेश का नाम विश्व स्तर पर चमकाने का काम किया : भवानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। गांव हिजरावां में 'एक पदयात्रा नशे के खिलाफ' के दौरान ग्रामीणों को जागरूक करते भवानी सिंह। फोटो : हरिभूमि

जिले में नशे के खिलाफ युद्धस्तर पर अभियान चला रही महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निकाली जा रही 'एक पदयात्रा नशे के खिलाफ' आज जिले के गांव हिजरावां खुर्द पहुंची। ट्रस्ट के संस्थापक भवानी सिंह के नेतृत्व में युवाओं ने गांव में घर-घर जाकर ग्रामीणों को नशे से परिवार और समाज को होने वाले नुकसानों के बारे में बताया और प्रत्येक घर में रह रहे लोगों को 'मेरा परिवार-नशामुक्त परिवार' का संकल्प दिलवाया। ग्रामीणों में भी इस पदयात्रा को लेकर उत्साह नजर आया और ग्रामीणों ने इस पदयात्रा को समाज में नया बदलाव लाने की मुहिम बताया। बता दें कि इस पदयात्रा को शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। यह यात्रा जिलेभर के गांवों में घर-घर जाकर युवाओं को जागरूक करेगी। महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भवानी सिंह ने गांव हिजरावां खुर्द में युवाओं से बातचीत करते हुए कहा कि हरियाणा के युवाओं ने शिक्षा के साथ-साथ खेलों में प्रदेश का नाम विश्व स्तर पर चमकाने का काम किया है वहीं क्षेत्र में बढ़ रही नशे की प्रवृति फतेहाबाद जिले को छवि को नुकसान पहुंचा रही है। क्षेत्र में चिट्टे और मेडिकल के बढ़ते नशे पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि किसी भी समाज, क्षेत्र के विकास में युवाओं की अहम भूमिका होती है लेकिन जब उन्होंने जिले के युवाओं को नशे की दलदल में धंसे देखा तो उन्हें देखा हुआ। तभी उन्होंने ट्रस्ट के माध्यम से जिले को नशामुक्त करने का संकल्प लिया था। आज उन्हें खुशी हो रही है कि ट्रस्ट के सकारात्मक प्रयासों का असर है कि काफी संख्या में युवा नशे से तौबा कर समाज की मुख्य धारा में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने ग्रामीणों से न केवल अपने परिवार बल्कि आसपास के लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया और कहा कि ट्रस्ट की टीम इसमें युवाओं का पूरा सहयोग करेगी। न केवल उन्हें नशा छोडऩे के लिए दवाएं दिलवाई जाएंगी बल्कि खेलों से भी जोड़ा जाएगा।

खेल प्रतियोगिता से दिया नशा मुक्ति का संदेश

ओढां। पुलिस ने गांव घुकांवाली में क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित कर युवाओं का हौसला बढ़ाया व नशे से दूर रहने व आत्मविश्वास से परिपूर्ण जीवन जीने बारे प्रेरित किया। साथ ही नशा मुक्ति टीम कैंपों के माध्यम से नशा पीड़ितों की जांच के लिए नशा मुक्ति शिविर का आयोजन लगातार कर रही हैं। जिसमे उनके ब्लड सैंपल लेकर उनमें पैदा होने वाली किसी भी बीमारी का पता करके समय रहते इलाज किया जा रहा है। नशा शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को लगातार कम करता जाता है। जिससे पीलिया, टीबी जैसी भयानक बीमारियां पैदा हो जाती हैं। नशा पीड़ितों की पहचान के लिए लगातार जागरूकता सेमिनार भी आयोजित किए जा रहे हैं। एसपीओ हरगोबिंद ने कहा कि पुलिस का ध्येय नशा मुक्त व अपराध मुक्त समाज जिसके लिए पुलिस हमेशा तत्पर व कटिबद्ध है।

ओढ़ा। खिलाड़ियों के साथ एसपीओ हरगोबिंद सिंह।

नशा पीड़ितों का करवाया उपचार

ओढां। डबवाली पुलिस की नशा मुक्ति टीम डबवाली ने थाना कालांवाली क्षेत्र के गांव सिंहपुरा, दादू, पक्का शहीदा व धर्मपुरा से 14 और गांव मलिकपुरा व मटदादू से 08 नशा पीड़ितों को सरकारी अस्पताल से उचित काउंसलिंग करवाकर उनका इलाज शुरू करवाया गया। इस दौरान दो नशा पीड़ितों को कालांवाली के नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती करवाया गया। इस अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए एसपीओ हरगोबिंद ने गांव घुकांवाली में क्रिकेट की प्रतियोगिता आयोजित कर युवाओं का हौसला बढ़ाया, व नशे से दूर रहने व आत्मविश्वास से परिपूर्ण जीवन जीने बारे प्रेरित किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अब तक 22 नशा पीड़ितों को नवजीवन देने व नशे की लत से बाहर निकालने के लिए उनकी काउंसलिंग करवाकर उन्हें सरकारी अस्पताल से 05 दिन की दवाई दिलवाई गई।

'एक देश-एक चुनाव' से लोकतंत्र होगा मजबूत : प्रवीण जोड़ा

फतेहाबाद। पीली मन्दोरी में 'एक देश-एक चुनाव' अभियान को लेकर जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण व अन्य।

पीलीमंदौरी में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गांव पीलीमंदौरी में 'एक देश-एक चुनाव अभियान' के तहत एमआर मैमोरियल स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अभियान के प्रदेश टीम सदस्य एवं विभाग प्रभारी सुरेंद्र आर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, विभाग संयोजक सुभाष खिचड़ एवं जिला संयोजक बलदेव सैनी ने शिरकत की। स्कूल के एमडी सुभाष सींवर और प्रिंसिपल नीलम रानी ने अध्यापकों के साथ अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर बीजेपी मंडलाध्यक्ष संदीप माचरा, मार्केट कमेटी चेयरमैन प्रदीप मंडन तथा एनिमेंट पर्सन सतबीर धुपुका भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कहा कि एक देश-एक चुनाव व्यवस्था स्थिर शासन, मजबूत नीति-निर्माण और विकास की गति को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकती है। इससे लोकतंत्र मजबूत होगा, जनहित के कार्यों में गति आएगी और जनता बार-बार के चुनावी माहौल से बाहर निकलकर विकास की ओर ध्यान दे सकेगी। सुरेंद्र आर्य ने कहा कि बार-बार होने वाले चुनावों में समय, धन और मनुष्य-बल का बहुत अधिक उपयोग होता है। प्रशासनिक तंत्र महीनों तक चुनावी प्रक्रिया में व्यस्त रहता है, जिससे विकास कार्य प्रभावित होते हैं। यदि पूरे देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जाएं, तो न सिर्फ हजारों करोड़ रुपये की बचत होगी, बल्कि देश की कार्यप्रणाली भी और तेज व प्रभावी बनेगी। जिला परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि सुभाष खिचड़ और बलदेव सैनी ने स्कूल प्रबंधन कमेटी का आभार प्रकट किया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में राजाराम ज्यानी, सतबीर मेहुवाला, राजन सरबटा, योगेश माचरा, संदीप शर्मा, सोहन लाल नागर, नरेंद्र, सतपाल, विनोद श्योराण, अनिल गोरछिया, विनोद जोशी, साहबराम डूडी, डॉ. होशियारी लाल उपस्थित थे।

एनसीसी कैडेट्स ने वंदे मातरम जयंती पर किया पौधरोपण

- राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को राष्ट्रगीत वंदेमातरम की 150वीं जयंती बड़े उत्साह के साथ मनाई गई। थर्ड हरियाणा गर्ल्स बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में एनसीसी की छात्राओं ने भाग लिया और विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत की गरिमा और उसके स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को याद करते हुए हुई। हिंदी प्रवक्ता विकास पोपली ने वंदेमातरम के इतिहास और देशभक्ति में इसकी भूमिका की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह गीत आज भी युवा पीढ़ी को राष्ट्र प्रेम और त्याग की प्रेरणा देता है। विद्यालय प्रधानाचार्या परमजीत कौर ने कहा कि वृक्ष हमारी धरती की जीवनरेखा हैं। इनकी देखभाल करना हमारा कर्तव्य है। एनसीसी प्रभारी शिल्पी गुप्ता ने कहा कि ऐसे छोटे-छोटे प्रयास ही बड़े परिवर्तन लाते हैं। कॉमर्स प्रवक्ता अनिल भाटिया ने छात्राओं के जोश और जिम्मेदारी की भावना की भूरि-भूरि प्रशंसा की। छात्राओं ने न केवल पौधे लगाए बल्कि आने वाले दिनों में नियमित रूप से पानी देने और उनकी देखभाल करने का सामूहिक संकल्प भी लिया।

रिटायर्ड कर्मियों का प्रदर्शन 26 को

- मांगों को लेकर उपायुक्त कार्यालय पर किया जाएगा रोष प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिलेभर के रिटायर्ड कर्मचारियों द्वारा अपनी लंबित मांगों को लेकर 26 नवम्बर को फतेहाबाद में रोष प्रदर्शन किया जाएगा। इस दिन रिटायर्ड कर्मचारी हिसार रोड स्थित नई सब्जी मण्डी में एकत्रित होंगे और वहां से रोष प्रदर्शन करते हुए उपायुक्त कार्यालय जाकर धरना देंगे। यह निर्णय आज रिटायर्ड कर्मचारी संगठन फतेहाबाद की बैठक में लिया गया। पुराना रेस्ट हाऊस में हुई इस बैठक की अध्यक्षता संगठन के जिला प्रधान मुन्शी राम कम्बोज ने की और संचालन जिला सचिव सुभाष चन्द्र चौहान ने किया। बैठक में प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई और पदाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रधान मुंशीराम कम्बोज ने कहा कि रिटायर्ड कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं। अनेक बार सरकार के सामने रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों को उठाया जा चुका है लेकिन सरकार इनकी मांगों को लेकर बिलकुल गंभीर नहीं है।

फतेहाबाद। बैठक में प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर चर्चा करते रिटायर्ड कर्मचारी।

प्रमुख मांगें

प्रदर्शन के माध्यम से मांग की जाएगी कि 60, 70 व 75 वर्ष की आयु उपरांत 5, 10, 15 प्रतिशत बेसिक पेंशन में बढ़ोतरी की जाए। यह व्यवस्था पंजाब, हिमाचल में पहले से लागू है। इसके अलावा चिकित्सा भत्ता 5 हजार रुपये मासिक देने, कम्युटेशन की रिकवरी 15 साल से घटाकर 10 साल करने, पुरानी पेंशन प्रणाली बहाल करने, 60 वर्ष की आयु के बाद पेंशन के लिए रेल में रियायती दर पर यात्रा सुविधा को दोबारा से लागू करने आदि मांगें शामिल है।

खबर संक्षेप

क्रेसंट स्कूल में हिंदी स्टोरी टेलिंग एवं ऐड-मेड शो में रचनात्मकता का अनोखा संगम

फतेहाबाद। क्रेसंट स्कूल, फतेहाबाद के प्रांगण में आज का दिन बेहद खास रहा, जहाँ कक्षा प्रथम के नन्हें-मुन्ने विद्यार्थियों ने अपनी मासूम अदाओं एवं रचनात्मक सोच से सभी का मन मोह लिया। विद्यालय में आयोजित 'ऐड-मेड शो' ने बच्चों को न केवल विज्ञापन का महत्व समझाया, बल्कि उन्हें अपनी कल्पनाशक्ति को मंच पर उतारने का अवसर भी दिया। कार्यक्रम की शुरुआत से ही हुई, बच्चों की चमकती आँखें एवं उत्साहित मुस्कानें माहौल को उत्सवमय बनाती चली गई। उन्होंने अपनी पसंद के विभिन्न उत्पादों जैसे खिलौने, खाद्य पदार्थ, स्टेशनरी और हेल्थ ड्रिंक्स का विज्ञापन इतने जीवंत, दिल छू लेने वाले एवं प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया कि सभी मंत्रमुग्ध हो उठे।

फतेहाबाद। क्रेसंट स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी करते हुए मुख्य अतिथि।

आदर्श व अनुशासित नागरिक बनने व चरित्र निर्माण के लिए एनसीसी जरुरी : सीताराम

फतेहाबाद। गांव बहबलपुर स्थित मुख्त्यार सिंह मैमोरियल पी.जी. कॉलेज में आज 3 हरियाणा गर्ल्स बटालियन जीजेयु हिसार के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल ज्ञान प्रकाश पांडे के निर्देशानुसार एनसीसी गर्ल्स विंग कैडेट्स द्वारा वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के अतिरिक्त रॉयल स्कूल बहबलपुर, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल फतेहाबाद, एसबीपी डीएवी स्कूल फतेहाबाद, एमडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल भिरड़ाना तथा एमएम पीजी कॉलेज फतेहाबाद की एनसीसी कैडेट्स ने भी भाग लिया। वंदे मातरम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि 3 हरियाणा गर्ल्स बटालियन जीजेयू हिसार के सूबेदार मेजर सीताराम थे।

फतेहाबाद। एनसीसी कैडेट्स को संबोधित करते सूबेदार मेजर सीताराम।

पदक जीतने वाली छात्राओं को किया सम्मानित

सिरसा। फरीदाबाद में आयोजित हरियाणा राज्य बैडमिंटन चैंपियनशिप-2025 उप-जूनियर में प्रतिभागिता कर पदक जीतने वाली छात्राओं के सम्मान में सेंटर जेवियर सीनियर सैकेंडरी स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रिंसिपल फादर सेल्वराज पीटर ने बताया कि इस प्रतियोगिता के महिलाओं के डबल्स में स्कूल की दित्या अरोड़ा व अनिका सोनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मडल जीता, जबकि एकल वर्ग में अनिका सोनी ने तीसरा स्थान हासिल करते हुए कांस्य पदक जीतकर स्कूल व अभिभावकों का नाम रोशन किया। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों व कोच को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई व भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने छात्राओं को सम्मानित करते हुए कहा कि दोनों छात्राओं ने बेहतरीन टीम वर्क और समन्वय का प्रदर्शन किया। दित्या अरोड़ा हरियाणा राज्य बैडमिंटन चैंपियनशिप-2025 जूनियर्स के लिए भी चुनी गई हैं, जो कि आगामी 8 से 12 दिसंबर तक गुजरात के वड़ोदरा में आयोजित की जाएगी।

विद्यार्थी पढ़ाई के साथ खेलों में भी बढ़ चढ़कर लें भाग : सुरेंद्र कूकणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नुहियांवाली में शनिवार को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें ब्लॉक समिति ओढ़ा के सदस्य सुरेंद्र कुकना ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। विद्यालय के हिंदी प्रवक्ता पवन देमीवाल ने बताया कि गत 14 नवम्बर को बाल दिवस पर विभिन्न प्रकार की जो खेलकूद प्रतियोगिताएं करवाई गई थी। आज मुख्य अतिथि द्वारा प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को पदक देकर सम्मानित किया। सुरेंद्र कुकना ने विद्यालय के चारों हाऊस मून, अर्थ, सन व मार्स हाऊस के सभी प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को गोल्ड, सिल्वर व ब्रांज मेडल देकर सम्मानित किया। ओवरआल ट्राफी मार्स हाऊस को दी गई क्योंकि इस हाऊस ने सबसे ज्यादा 13 गोल्ड मेडल सहित कुल 28 मेडल प्राप्त किये थे। दूसरे स्थान पर मून हाऊस ने11 गोल्ड मेडल सहित कुल 27 मेडल लिए ओर सन हाऊस 6 गोल्ड व कुल 17 मेडल लेकर तीसरे स्थान पर रहा।

ओढ़ा। नुहियांवाली स्कूल में आयोजित समारोह में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि।

नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में करवाई वाद-विवाद प्रतियोगिता

- सिनेमा आज की युवा पीढ़ी को प्रभावित करने वाला सबसे प्रभावशाली माध्यम : पूनम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन महाविद्यालय में प्रैस एंड मीडिया कमेटी की ओर से शनिवार को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टीवल ऑफ इंडिया के तहत शिक्षा में सिनेमा की भूमिका विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. पूनम मिगलानी ने कहा कि वर्तमान समय में सिनेमा आज की युवा पीढ़ी को प्रभावित करने वाला सबसे प्रभावशाली माध्यम है। यह हमारी सोच, भावनाओं और व्यवहार को गहराई से प्रभावित करता है। इस प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढक़र भाग लिया। इसमें छात्रों ने पक्ष-विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता के पक्ष में छात्रों ने कहा कि सिनेमा सीखने को रोचक, यादगार बनाने के साथ-साथ मूल्यों, आलोचनात्मक सोच और सामाजिक जागरूकता का विकास करता है, जबकि इसके विपक्ष में उन्होंने कहा कि इससे छात्रों का पढ़ाई से ध्यान भटक सकता है, फिल्मों का आकर्षण छात्रों को किताबों और गंभीर अध्ययन से दूर कर सकता है और इसके साथ अवास्तविक अपेक्षाएं जैसे-लग्जरी जीवन, रोमांस, हिंसा जैसी चीजें छात्रों के मन में झूठी अपेक्षाएं पैदा कर सकती है।

कायक्रम

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर गांव रामनगरिया से निकली एकता पदयात्रा

वल्लभभाई पटेल ने देश को जोड़ने का काम किया : यतिंद्र

भाजपा जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को सिरसा जिले के गांव रामनगरिया से द्वितीय पदयात्रा का आयोजन किया गया। पदयात्रा का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह एडवोकेट ने राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय रामनगरिया से हरी झंडी दिखाकर किया। जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारत की अखंडता को बनाए रखते हुए देश को एकसूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य किया। हमें जाति, क्षेत्र और भाषा के आधार पर विभाजित नहीं होना है, बल्कि एकजुट होकर प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के सपने को साकार करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पदयात्राएं युवाओं में देशभक्ति और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने का कार्य करती हैं। सरदार पटेल के विचार आज भी राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने देश का अखंड बनाया है और उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। हरको चेयरमैन वेद फूला ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन राष्ट्र-निर्माण और अटूट दृढ़ता का प्रतीक है। उन्होंने आजादी के समय 562 रियासतों को एकजुट कर आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखी। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे कार्यक्रम युवाओं में देशप्रेम की भावना जगाते हैं और उन्हें नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने की प्रेरणा देते हैं। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन, त्याग और राष्ट्र हित सर्वोपरि रखने की सोच नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है। आजादी के बाद 562 रियासतों का भारत में विलय कर देश को अखंड स्वरूप देने का श्रेय पटेल को जाता है।

सिरसा। सरदार पटेल की जयंती पर निकाली गई पदयात्रा में शामिल भाजपा नेता व अन्य लोग। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों ने निकाली पदयात्रा

सिरसा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बप्पा में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष में भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया। पदयात्रा को विद्यालय के प्राचार्य शुभकरण शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विद्यार्थियों ने भारतीय ध्वज लहराते हुए वंदे मातरम के नारे लगाए और राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं भाईचारे का संदेश दिया। पदयात्रा के माध्यम से ग्रामीणों को यह प्रेरक संदेश दिया गया कि भारत एक है और हमेशा एक रहेगा, क्योंकि हमारा देश विविधता में एकता का प्रतीक है। पदयात्रा गांव से होती हुई राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय बप्पा पहुंची, जहां विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, नृत्य और 'विविधता में एकता' विषय पर बहुभाषी नाटक प्रस्तुत किया। विद्यालय के मुख्य अध्यापक मंगल सेठी ने विद्यार्थियों को राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और देश की एकता को बनाए रखने के महत्व पर प्रेरणादायक संबोधन दिया। प्राचार्य शुभकरण शर्मा और नरेश कुमार ग्रोवर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल जी का जीवन राष्ट्र की एकता, दृढ़ संकल्प, सत्यनिष्ठा और अखंडता का सर्वोच्च उदाहरण है।

बदल रहा मौसम का मिजाज
बढ़ती गर्मी-घटती सर्दी

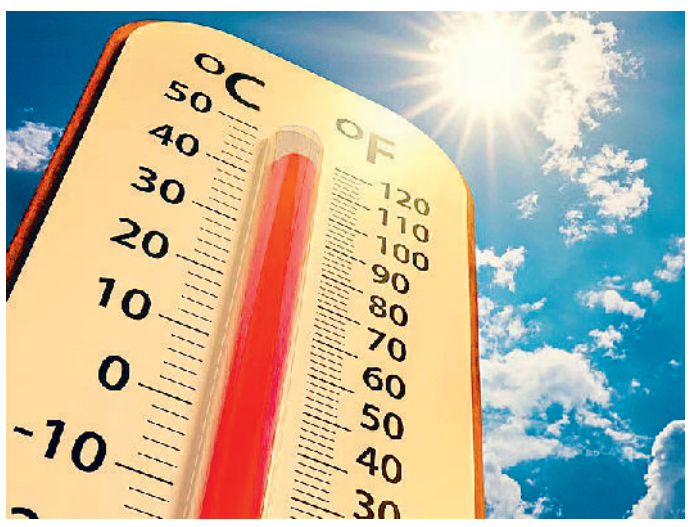

हालांकि इस वर्ष आने वाले दिनों के लिए कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना बताई जा रही है। लेकिन जिस तरह से मौसम का मिजाज वैश्विक स्तर पर बदल रहा है, उससे आगामी वर्षों में सर्दी की अवधि और उसकी तीव्रता घटती जाएगी। इसके उलट वर्षा कम होगी और गर्मी की तपिश बढ़ती जाएगी। इसके कई दुष्प्रभाव देखने को मिलेंगे। ऐसे में प्रभावी नीति बनाने के साथ सामूहिक प्रयास भी करने होंगे।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

सर्दी धीरे-धीरे बढ़ रही है। मौसम विभाग की ताजा भविष्यवाणी के अनुसार आने वाले दिनों में उत्तरी भारत में प्रबल शीत लहर की आशंका है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस साल जबरदस्त ठंड पड़ेगी। वजह होगी पर्याप्त वर्षा और अलनीनो प्रभाव। मगर क्या इस दौरान हम कड़कड़ाती सर्दियों वाले दिनों के लंबे दौर भी देखेंगे? यह भी आशंका है कि ठेठ ठिठुरन वाले दिन कुछ कम ही रहेंगे। सर्द रातों और ठंडी हवाओं का कम होना, केवल मौसम का प्रश्न नहीं बल्कि जीवन के संतुलन से भी जुड़ा है। यदि सरकारों ने वैज्ञानिक नीतियों को जनजीवन से जोड़ने की गति नहीं बढ़ाई और आम लोगों ने जरूरी सहभागिता नहीं की तो आने वाले वर्ष 2100 तक भारतीय उपमहाद्वीप का मौसम ऐसा होगा, जहां 'गर्मी ही सामान्य' और 'सर्दी एक दुर्लभ अनुभव' रह जाएगी।

आने वाले वर्षों में घटेगी सर्दी

संयुक्त राष्ट्र संघ एन्वॉयर्नमेंटल पैनल ऑफ क्लाइमेट की रिपोर्ट बताती है कि 1980 से 2020 के बीच यानी चालीस सालों में बेहद ठंडी रातों और अत्यंत सर्द दिनों की संख्या में चार गुना की कमी आई है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते जमीनी सतह का तापमान बढ़ने से बाकी दिनों में भी ठंड सामान्य ही रह रही है। ऐसे में घने कोहरे वाले दिन भी साल दर साल घट रहे हैं। यदि मौजूदा रुझान जारी रहा तो साल 2050 तक भारत में भीषण सर्दी वाले दिनों में 60 से 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट आने और गर्मी वाले दिनों में तीन गुना बढ़ोत्तरी की आशंका है।

ठंड की अवधि होती जाएगी कम

नेचर पत्रिका के अध्ययन के अनुसार 2080 से 2100 के बीच गर्म दिनों और रातों की घटनाएं सात गुना तक बढ़ेंगी। इस कारण 'कड़ाके की ठंड के दिन' लगभग विलुप्त हो सकते हैं। फिलहाल यह तय है कि अब सर्दियां 'पिछली शताब्दियों जैसी लंबी और स्थायी' नहीं होंगी। ठंड की अवधि कुछ कम और तीव्रता अस्थाई रहेगी। अल्पकालिक मौसमी उतार-चढ़ाव बने रहने के साथ सर्दी में भी कभी-कभी बारिश, गर्मी और पश्चिमी विक्षोभ के जैसे मौसम के अतिरेकी तेवर देखने को मिलेंगे। पांच-सात दशकों के बाद सर्दी का लगभग लोप हो जाना भविष्य के लिए कितना विनाशकारी होगा, इसका अंदाजा भी भयावह है।

बदल रहा है मौसम का चक्र

इस बात के संकेत अब स्पष्ट होने लगे हैं कि हिमालय से लेकर दक्षिण तक मौसम का पारंपरिक चक्र तेजी से बदल रहा है। भारत 'गर्मी प्रधान देश' बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

उत्तराखंड में कई जगहों पर बीते एक-दो दशकों के बीच तापमान में सामान्यतः तीन डिग्री तक की बढ़त देखी गई है। कमोबेश यही हाल हिमाचल और कश्मीर का भी है। वैज्ञानिकों के अनुसार भारत में न्यूनतम तापमान प्रति दशक औसतन 0.2 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ता जा रहा है। इसका मतलब है कि ठंडी हवाएं चलने की अवधि सिमटती जा रही है, जबकि गर्म रातें अब लंबी चलती हैं। इसका नतीजा यह है कि मिट्टी में नमी दिन-प्रतिदिन घट रही है। पेड़ कटने से हवा की नमी भी कम हो रही है। उधर जलस्रोत सूख रहे हैं, तो नदियों और पहाड़ी जलस्रोतों का पुनर्भरण कम हो रहा है और इसके चलते वर्षा चक्र अस्थिर हो गया है।

फसलों पर दिख रहा असर

हिमालयी और पर्वतीय राज्यों में इसका असर अब साफ दिख रहा है। सेब, केसर और बागवानी की अन्य फसलें जो ठंडी रात-दिन के अंतर पर निर्भर हैं, उनका उत्पादन गिरने लगा है। सेब के फूल बिन मौसम खिल जा रहे हैं, तो उनके पकने और रसीले होने के लिए जो कड़क सर्दी चाहिए, वह उनको लगातार कुछ दिनों तक नहीं मिल रही, सो गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ रहा है। किसान अब कम ऊंचाई पर 'ऊष्णकटिबंधीय फसलें', बाजरा और मक्का उगाने को मजबूर हैं, जिससे पहाड़ी कृषि की पारंपरिक पहचान मिटती जा रही है। फूलों और

औषधीय पौधों की जैवविविधता भी खतरे में है, उनकी रासायनिक गुणवत्ता, औषधीय प्रभावशीलता भी कम हो रही है, क्योंकि तापमान बढ़ने से परागण और फूलने का समय असंतुलित हो गया है, उनके रासायनिक संघटक बदल जा रहे हैं।

स्वास्थ्य-पर्यावरण पर पड़ेगा असर

पर्यावरणविद और मौसम विज्ञानी दोनों इस बात पर सहमत हैं कि बदलते मौसम की वजह से नमी विहीन सूखी गर्म हवाओं की अवधि 2050 तक दोगुनी हो सकती है। यह बदलाव खेती किसानी से लेकर जीवन के लिए आवश्यक जैविक सूक्ष्मजीवों के पनपने में असंतुलन तो पैदा करेगा ही, साथ ही कीट-रोगों के फैलाव जैसी समस्याएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 2030 तक भारत में गर्मी से उपजी बीमारियों से मरने वालों की संख्या तीन गुना बढ़ सकती है। डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां नए क्षेत्रों में भी पैर पसारेंगी। विशेष रूप से वृद्धजन, बच्चे और मजदूरी करने वाले सबसे अधिक जोखिम में हैं। जाहिर है इस प्रक्रिया से जनधन दोनों को बहुत नुकसान होगा। जंगलों में आग को भी इससे हवा मिलेगी। इस तरह सर्द रातों का घट जाना सिर्फ मौसम परिवर्तन नहीं बल्कि पारिस्थितिक संतुलन के अस्थिर होने का संकेत है।

होगा भारी आर्थिक नुकसान

भीषण सर्दी वाले दिनों के दौर कम होने से पैदा जलवायु असंतुलन का सीधा नुकसान अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य तंत्र पर पड़ेगा। बताते हैं, वैश्विक तापमान में चार डिग्री सेल्सियस का इजाफा, अर्थव्यवस्था को 40 फीसदी कमजोर कर देगा। अनुमान है कि जलवायु आपदाओं के कारण देश को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2 फीसदी तक घट सकता है। अगर दुनिया वैश्विक तापमान में होती वृद्धि को दो डिग्री सेल्सियस पर सीमित रखने में सफल भी हो जाती है, तो इसकी वजह से प्रति व्यक्ति औसत जीडीपी में 16 फीसदी की गिरावट आ सकती है।

बढ़ेंगी प्राकृतिक आपदाएं

घटती सर्दी, बढ़ती गर्मी के कारण श्रम उत्पादकता में कमी, जीडीपी को कम करेगी। फ्लैश फ्लड, बादल फटने एवं बाढ़ तथा भू-स्खलन की घटनाओं की संख्या और भयावहता दोनों बढ़ेंगी तो अवसंरचना को नुकसान होगा। इसका परोक्ष प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। *

बनना होगा एन्वॉयर्नमेंटल कॉन्शस

एन्वॉयर्नमेंटल मैनेजमेंट की ताजा रिपोर्टों ने भारत की जलवायु को लेकर जो गंभीर चेतावनी दी है, उसके प्रति सरकार और जनमानस में कितनी चिंता है, इसके प्रति उनका सरोकार कैसा है यह तो निकट भविष्य में पता चलेगा। लेकिन अब समय आ गया है कि सरकारों को इसके लिए बहुस्तरीय तैयारी करनी होगी। शहरों में 'ग्रीन बेल्ट' और कूलिंग-कॉरिडोर नीति को अनिवार्यतः लागू करना होगा। पर्वतीय राज्यों में जलवायु अनुकूल कृषि, जल संरक्षण, ग्लेशियर तथा निगरानी प्रणालियां बढ़ानी होंगी। शहरी इलाकों में हरित आवरण, वर्षा जल संचयन और ऊर्जा दक्ष भवनों को बढ़ावा देना होगा। जलवायु परिवर्तनों को सह सकने वाली फसलों के अनुसंधान को बढ़ावा मिलना चाहिए। जंगलों की कटाई पर रोक लगे। पर्यावरणीय चेतना को प्राथमिकता दिए बिना इस आसन्न संकट से बचाव कठिन है।

हम जैसा भोजन करते हैं, उससे हमारे स्वास्थ्य पर ही नहीं पर्यावरण पर भी असर होता है। कई स्टडीज में साबित हुआ है कि प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट, हमारी हेल्थ और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में बहुत मददगार साबित हो सकता है। इस बारे में जानिए।

प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट
स्वस्थ जीवन-सुरक्षित पर्यावरण

जीवनशैली
मोनिका सिन्हा

आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में जहां जंक फूड, नॉनवेज फूड्स और अत्यधिक प्रिजर्व्ड फूड्स हमारी थाली का हिस्सा बन चुकी हैं, वहीं वैज्ञानिक शोध बार-बार यह सिद्ध कर रहे हैं कि प्लांट आधारित भोजन यानी पौधों से उत्पन्न होने वाली डाइट, हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह न केवल शरीर को पोषण देता है बल्कि गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, मधुमेह और हृदय रोगों का जोखिम भी काफी हद तक कम करता है।

स्टडीज में हुआ खुलासा: जुलाई 2024 में वी. वियालोन और उनके सह-लेखकों द्वारा प्रकाशित एक वैज्ञानिक रिपोर्ट में यह बताया गया कि जिन लोगों की जीवनशैली में धूम्रपान, अत्यधिक शराब सेवन, असंतुलित खान-पान और अनियमित नींद जैसी आदतें शामिल नहीं थीं, उनमें टाइप 2 डायबिटीज, कैंसर और हृदय संबंधी रोगों का खतरा बहुत कम पाया गया। यह अध्ययन 'स्वस्थ जीवनशैली सूचकांक' पर आधारित था और इसका उद्देश्य यह समझना था कि व्यक्ति की आदतें उसके दीर्घकालिक स्वास्थ्य पर कितना प्रभाव डालती हैं।

कई बीमारियों से बचाए: प्लांट बेस्ड डाइट के फायदों को जानने की दिशा में किए गए डॉ. डी सुब्रमणियन के एक रिसर्च पेयर में यह बताया गया कि पौधों पर आधारित आहार लेने वाले लोगों में कैंसर और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है। इस अध्ययन में डेनमार्क, दक्षिण कोरिया, स्पेन और ब्रिटेन सहित कई देशों के लगभग चार लाख लोगों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, दालों और मेवों पर आधारित भोजन लेते हैं, उनमें 'मल्टीमॉर्बिडिटी' अर्थात एक साथ दो या अधिक दीर्घकालिक बीमारियों का खतरा, काफी घट जाता है। शोध में यह भी पाया गया कि प्लांट आधारित आहार इंसुलिन प्रतिरोध को कम करता है, जिससे शरीर में ग्लूकोज का स्तर नियंत्रित रहता है और मेटाबॉलिक बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है।

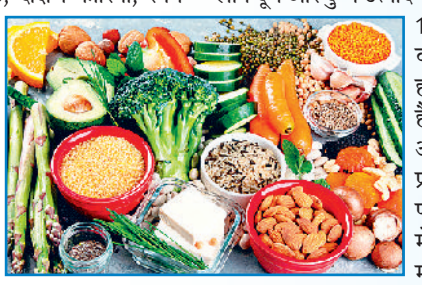

कई पोषक तत्वों से होता है भरपूर: पौधों पर आधारित आहार उच्च फाइबर, विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है और कोशिकाओं को क्षति से बचाता है। अध्ययन से यह भी सिद्ध हुआ कि जो लोग नियमित रूप से फल, सब्जियां और अनाज का सेवन करते हैं, उनमें बीपी, कोलेस्ट्रॉल, स्ट्रोक, हृदयाघात और टाइप 2 डायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है।

होता है ईकोफ्रेंडली: प्लांट आधारित भोजन का एक और बड़ा लाभ यह है कि यह पर्यावरण की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी है। मीट, मछली और अंडे जैसे पशु आधारित भोजन की तुलना में पौधों पर आधारित भोजन से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बहुत कम होता है। इसका सीधा संबंध जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संतुलन से है। हालांकि वैज्ञानिक दृष्टि से मेडिटेरेनियन आहार को दुनिया के कई देशों में स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है, परंतु उसमें मछली और चिकन का उपयोग होता है। इसके विपरीत वीगन आहार में किसी भी पशु उत्पाद यहां तक कि दूध का भी उपयोग नहीं किया जाता। इस दृष्टि से प्लांट आधारित या वीगन आहार स्वास्थ्य के साथ-साथ नैतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अधिक उपयुक्त माना जाता है।

करना चाहिए प्रोत्साहित: अगर हम भारत की बात करें तो यहां लगभग 35 प्रतिशत लोग शाकाहारी हैं। वे अनाज, दालें, फल और सब्जियों को अपने भोजन में नियमित रूप से शामिल करते हैं। इनमें से कुछ लोग दूध और दुग्ध उत्पाद भी लेते हैं, जबकि लगभग 10 प्रतिशत लोग पूरी तरह वीगन डाइट लेते हैं। हालांकि चिंता की बात यह है कि भारत की शहरी आबादी का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा मधुमेह से पीड़ित है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्री डायबिटीज के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। धूम्रपान, तंबाकू सेवन, अस्वस्थ खान-पान और शारीरिक निष्क्रियता इस समस्या को और गंभीर बना रही हैं। अब समय आ गया है कि हमारे नीति निर्माता, स्वास्थ्य विशेषज्ञ और आम नागरिक प्लांट आधारित आहार के महत्व को समझें। विद्यालयों, कार्यस्थलों और अस्पतालों में प्लांट आधारित भोजन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। लोगों को यह बताया जाना आवश्यक है कि मांस और तले हुए भोजन की जगह ताजे फल, सब्जिया, दालें और साबुत अनाज को अपनी थाली में शामिल करना फायदेमंद है। वर्तमान समय में जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में प्लांट आधारित भोजन केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की आवश्यकता है। यह न केवल रोगों से बचाव करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और नैतिक जीवनशैली की दिशा में भी एक सशक्त कदम है। अब समय है कि हम अपने भोजन के प्रति सचेत हों। प्लांट आधारित भोजन को अपनाकर हम न केवल अपना स्वास्थ्य सुधार सकते हैं, बल्कि धरती को भी अधिक सुरक्षित और संतुलित बना सकते हैं। *

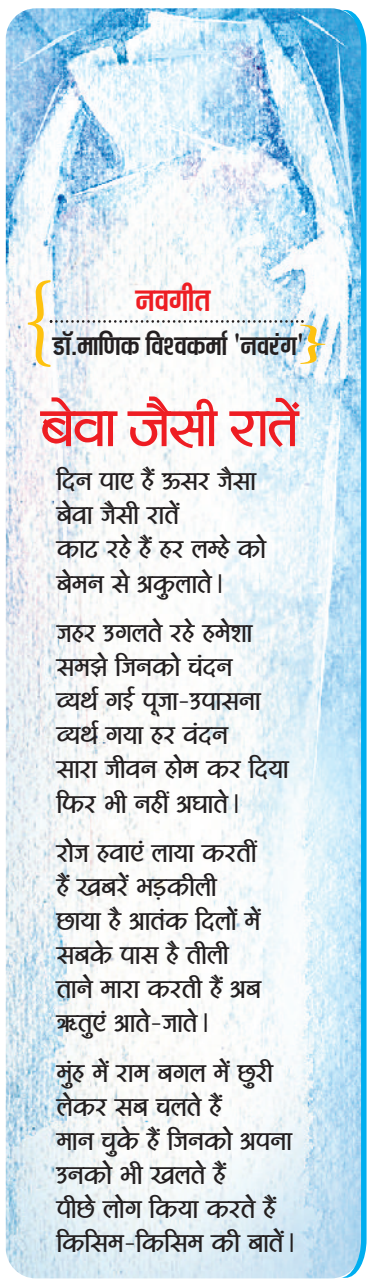

नवगीत
डॉ.माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

बेवा जैसी रातें

दिन पाए हैं ऊसर जैसा
बेवा जैसी रातें
काट रहे हैं हर लम्हे को
बेमन से अकुलाते।

जहर उगलते रहे हमेशा
समझे जिनको चंदन
व्यर्थ गई पूजा-उपासना
व्यर्थ गया हर वंदन
सारा जीवन होम कर दिया
फिर भी नहीं अघाते।

रोज हवाएं लाया करतीं
हैं खबरें भड़कीली
छाया है आतंक दिलों में
सबके पास है तीली
ताने मारा करती हैं अब
ऋतुएं आते-जाते।

मुंह में राम बगल में छुरी
लेकर सब चलते हैं
मान चुके हैं जिनको अपना
उनको भी खलते हैं
पीछे लोग किया करते हैं
किसिम-किसिम की बातें।

लघुकथाएं

कंपोस्ट

समाज सेवा के क्षेत्र में बृजेश जी के योगदान से प्रभावित वह उनसे मिलने उनके घर पहुंचा। लेकिन वहां पहुंचकर उसे बृजेश जी के व्यवहार और जीवनशैली में अलग ही रंग नजर आया।

दो सौ पांच .. दो सौ छह.. और यह दो सौ सात पता तो यही है, लेकिन यह मकान तो नहीं लग रहा।' मकान खोजते हुए मैं सोच रहा था। तभी नेमप्लेट पर नजर पड़ी- ब्रजेश आहूजा 'हम्म यही है।'

दरअसल, आठ-नौ वर्ष बाद मैं इस इलाके में आया था। इस बीच ये साधारण-सा घर न केवल सिंड्रेला की तरह कीमती लिबास पहन चुका था, बल्कि साथ वाले दो सौ आठ नंबर को डकार कर खासा मुटिया भी गया था। मकान की चार दीवारी के अंदर से झांकते अशोक के छोटे-छोटे पेड़ मानो, मुझे पहचानने की कोशिश कर रहे थे।

'जब मैं पिछली बार आया था तब तुम नहीं थे।' मैंने भी जतला दिया और घर के दरवाजे पर लगी घंटी बजा दी। ब्रजेश जी वर्षों से समाज-सेवा के लिए समर्पित हैं। गरीबों, बेसहारों और वंचितों के लिए तीन तो एनजीओ चलाते हैं, और इनके अतिरिक्त भी कई संस्थाओं के परामर्श-मंडल में शामिल हैं। आए दिन इस पुण्य कर्म हेतु पुरुस्कृत और सम्मानित भी होते रहते हैं। आज भी मैं अपनी संस्था द्वारा दिए जा रहे सम्मान का निमंत्रण लेकर ही उनके घर पर आया था।

गेट खुलने में ज्यादा देर नहीं लगी। खोलने वाला अशोक के पेड़ों से पुराना था, सो उसने आदर से अंदर आने के लिए कहा। अंदर घुसते ही मकान के वैभव से थोड़ी चमत्कृत-सी आंखें इधर-उधर टोहने लगीं तो बृजेश जी अपने बगीचे के एक कोने में खड़े नजर आए। शाम के छह बज रहे थे। एयर कंडीशनर की ठंडी हवा खाने के अरमान को जब्त करते हुए मैंने बृजेश जी का अभिवादन किया और अपने चेहरे पर उभर आया पसीना पोंछते हुए यह बोल ही दिया, 'बृजेश जी! इतनी गर्मी में घर से बाहर यहां?'

'अरे! आओ-आओ मित्र! हम तो सेवक ठहरे। हमारे लिए क्या गर्मी वर्मी, वैसे कंपोस्ट बना रहे हैं। सरकार तो अब जागी है, हम तो कब से पर्यावरण के लिए प्रयासरत हैं।' उन्होंने सगर्व कहते हुए अपने सामने खोदे गए लगभग तीन फीट गहरे और ढाई फीट चौड़े एक गड्ढे की ओर संकेत किया। तभी घर के अंदर से उनका बावर्ची एक थाली में सब्जियों और फलों के ढेर सारे छिलके लाया और उस गड्ढे में डाल कर चला गया। तब तक माली बगीची से बटोरी सूखी पत्तियां ले आया था। उसने वो पत्तियां उस गड्ढे में डालीं और फिर बृजेश जी के इशारे पर उस पर मिट्टी की एक मोटी परत लगा दी।

'ये जैविक कचरा भी न, बड़े काम का होता है। ये जो लहलहाती बगिया देख रहे हो न, ये इसी से बनी कंपोस्ट का कमाल हैं।' बृजेश जी मुझे बताने लगे। तभी, उनके सेकरेट्री ने एनजीओ के किसी विदेशी दानकर्ता के कॉल पर होने की सूचना देते हुए फोन उनके हाथों में पकड़ा दिया। वो फोन पर बात करते हुए 'हे..हे..' करते हंस रहे थे और मेरी नजर बगिया से हटकर अब उनकी आलीशान कोठी पर टिक गई थी। *

- शोभना श्याम

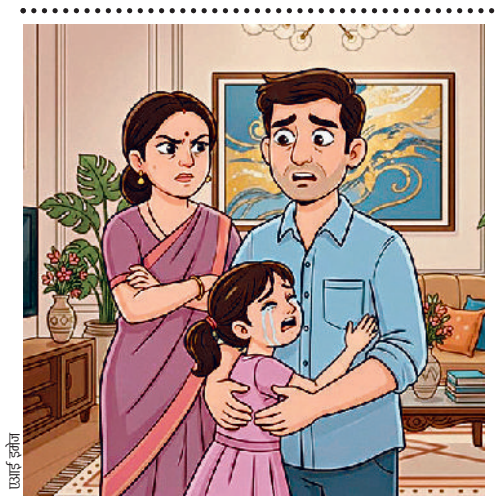
एआई इमेज

सच्चाई

देखो नीलिमा, मुझे गांव जाना ही पड़ेगा। पिताजी इस दुनिया में नहीं रहे। उनके अंतिम संस्कार में तो नहीं जा पाया था लेकिन अब तेरहवीं में तो कम से कम जाना ही पड़ेगा। अरे भई, दुनिया को दिखाने के लिए जाना ही पड़ेगा। वरना लोग मुझे क्या कहेंगे? तुम बेबी के बर्थ-डे पार्टी को अच्छी तरह अरेंज कर लेना।'

तभी आठ वर्षीया बेबी वहां दौड़ती हुई आई और पापा से लिपटते हुए बोली, 'पापा आप कहां जा रहे हैं, मेरी बर्थ-डे पार्टी में आप नहीं रहेंगे क्या?'

यह सुनकर नीलिमा ने क्रोध भरे स्वर में कहा, 'तुम्हारे पापा अपने पिताजी की मरनी में जा रहे हैं। इन्हें तो हमारी कोई फिक्र ही नहीं है। अरे ऐसे व्यक्ति के मरने-जीने से हमें कोई मतलब नहीं रखना चाहिए। तुम्हारे पिताजी ने अपनी पूरी जमीन-जायदाद तुम्हारे छोटे भाई के नाम कर दी। तुम्हें क्या मिला? फिर भी तुम पिता की तेरहवीं में जाने के लिए परेशान हुए जा रहे हो।' अपने दादाजी के लिए मम्मी के मुंह से कटु वचन सुनकर बेबी को अच्छा नहीं लगा। वह रोते हुए अपनी मम्मी से बोली, 'दादाजी कितने अच्छे थे। एक बार यहां आए थे तो मुझे और चीकू भैया को कितना प्यार करते थे। हमें अच्छी-अच्छी कहानियां सुनाया करते थे। मैं भी पापा के साथ गांव जाऊंगी।'

नीलिमा ने गुस्से में कहा, 'बेबी तुम कहीं नहीं जाओगी। तुम्हारा बर्थ-डे है न। गांव में तुम्हारे पापा, चाचा सब देख लेंगे।'

'मम्मी, आप इसलिए नाराज हो न दादाजी से कि उन्होंने पापा को जमीन नहीं दिया। चाचू को सब दे दिया। पर दादाजी क्या करते। आप लोग तो दादाजी को यहां बुलाते भी नहीं थे, न ही गांव उनसे मिलने जाते थे। चाचू तो दादाजी को हॉस्पिटल ले जाते थे, उनकी अच्छी तरह देखभाल करते थे।'

कुछ ठहरकर बेबी ने बड़ी मासूमियत से पूछा, 'मम्मी, क्या पापा के मरने पर चीकू भैया भी नहीं आएंगे।' यह सुनकर बेबी के मम्मी-पापा अवाक रह गए। *

-डॉ. शैल चंद्रा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रकृति से आबद्ध काव्याभिव्यक्तियां

वर्तमान हिंदी काव्य परिदृश्य में ज्ञानेंद्रपति, वरिष्ठतम पीढ़ी के प्रतिष्ठित कवियों में शामिल हैं। वह जीवन-संवेदना की जिस भावभूमि पर उतरकर कविता रचते हैं, उनकी अभिव्यक्ति दार्शनिक आख्यान बन जाती है। इस बात को प्रमाणित करती हैं, हाल में छप कर आए उनके नवीनतम कविता संग्रह 'प्रकृति और कृति' की कविताएं। यहां उनकी कविताओं में प्रकृति के तमाम घटक सहजता से आवाजाही करते हैं और हमें कुदरत को देखने का सर्वथा नवीन दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। *'तुम चले गए/और तुम्हारे साथ मेरे जीवन का संगीत चला गया।'* (एक चिड़े के लिए अशोक गीत) और *'निफूले जीवन में भी/ किसी फूल की सुगंध उठकर/नथुनों तक आती है/कभी कभी'* (चुपचाप) जैसी पंक्तियां इस बात का सघनता से अहसास कराती हैं कि प्रकृति से दूर होकर हमारा जीवन, निरंतर जीवंतता खोता जा रहा है। कितने मनोहारी और आनंदमयी अनुभूतियों से हम वंचित होते जा रहे हैं। कुछ कविताओं में वे बिल्कुल अलग तेवर में अपनी बात को पूरी सशक्तता से हमारे सामने रखते हैं। *'किताबें मनुष्यता की रीढ़ की उदग्र हड्डी बन चुकी हैं/ कोई भी अमानुषिक ताकत जिसे क्षत-विक्षत कर ले/क्षैतिज नहीं कर सकती।'* (मनुष्यता की रीढ़) *

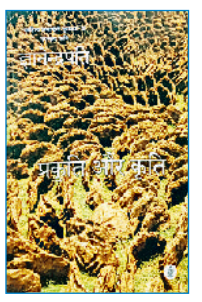

पुस्तक: प्रकृति और कृति (कविता संग्रह),
रचनाकार: ज्ञानेंद्रपति, **मूल्य:** 350 रुपए,
प्रकाशक: राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

ग्रीन-अमेजिंग विंटर डेस्टिनेशंस

गर्मी के मौसम में घूमने के लिए तो आप हिल स्टेशंस जाते ही हैं। लेकिन अगर विंटर वेकेशंस में टूरिज्म की प्लानिंग कर रहे हैं तो आप कुछ ऑफबीट लेकिन खूबसूरत स्थलों का रुख कर सकते हैं। यहां की ग्रीनरी और नेचुरल टच आपको कभी न भूलने वाला अनुभव प्रदान करेंगे।

वाहनों के प्रदूषण से मुक्त माथेरान, महाराष्ट्र

टूरिस्ट प्लेसेस
शिखर चंद जैन

अगर आप शहरी भीड़-भाड़, शोरगुल और भाग-दौड़ से कुछ दिनों की छुट्टी चाहते हैं तो इस बार सर्दी की छुट्टियों में रुख करिए कुछ अल्पज्ञात मगर शांत, प्रकृति की गोद में बसे हरे-भरे विंटर डेस्टिनेशंस की ओर। यहां आपको सुकून और शांति का अहसास होगा।

हरा-भरा शीतलाखेत, उत्तराखंड: उत्तराखंड के अल्मोड़ा में स्थित शीतलाखेत एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह हिमालयी गांव अपने मनोरम कुमाऊंनी दृश्यों और शांत माहौल के लिए जाना जाता है। शीतलाखेत, प्रसिद्ध टूरिस्ट प्लेस रानीखेत के पास स्थित एक उभरता हुआ पर्यटन स्थल है। इस क्षेत्र में आने वाले मुख्य पर्यटक ट्रैकर्स ही होते हैं। यहां की सभी गतिविधियां पर्यावरण के अनुकूल होती हैं। शहरों के लोग वहां के प्रदूषण से दूर, एक सुकून भरी छुट्टी बिताने के लिए शीतलाखेत आते हैं।

हरा-भरा हिल स्टेशन शीतलाखेत, उत्तराखंड

कश्मीर जैसा दरिंगबाड़ी, ओडिशा: दरिंगबाड़ी, ओडिशा के पूर्वी घाट का एक हिस्सा है, जो कंधमाल जिले में स्थित है। यह राजधानी भुवनेश्वर से 251 किलोमीटर दूर है। यह हिल स्टेशन छोटी-छोटी हरी-भरी पहाड़ियों, नदियों और झरनों से भरा है। इस क्षेत्र में चीड़ और साल के पेड़ बहुतायत में हैं। यहां आपको कॉफी के बागान भी देखने को मिलेंगे। दारिंगबाड़ी को प्राकृतिक सुंदरता के कारण ओडिशा का कश्मीर कहा जाता है। यह ओडिशा के ग्रीन कूल पर्यटन स्थलों का नया चेहरा है। प्रकृति के संरक्षण के लिए यहां कई पार्क और रिजर्व बनाए गए हैं। स्थानीय समुदायों ने पर्यटकों को क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों के बारे में बताने के लिए जगह-जगह प्रकृति शिविर बनाए हैं। सर्दियों के शुरुआती महीने, दरिंगबाड़ी घूमने के लिए आदर्श समय माना जाता है।

दक्षिण का चेरापूंजी अगुंबे, कर्नाटक: कर्नाटक के शिमोगा जिले में स्थित, अगुंबे एक छोटा-सा गांव है। इसे दक्षिण भारत का चेरापूंजी भी कहा जाता है। जैव विविधता से भरपूर इस क्षेत्र में दक्षिण भारत में सबसे ज्यादा वर्षा होती है और भारत में दूसरी सबसे ज्यादा वार्षिक वर्षा होती है। यह हिल स्टेशन मनोरम सुंदरता और ट्रैकिंग ट्रेल्स से भरपूर है। यह अंतिम जीवित निचले वर्षा वनों में से एक है। अगुंबे ही टीवी धारावाहिक 'मालगुडी डेज' में भारत के बेहद प्रसिद्ध काल्पनिक शहर मालगुडी का वास्तविक दृश्य था। यह मिरिस्टिका, लिस्टेसिया, गार्सिनिया, डायोस्पायरोस, यूजेनिया आदि औषधीय पौधों की कुछ दुर्लभ प्रजातियों का घर है। इसलिए इसे 'हसिरु होन्नू' उपनाम मिला है, जिसका अर्थ है हरा सोना। एक विशाल वर्षा वन और विविध वनस्पतियों और जीवों का घर होने के कारण, अगुंबे में अगुंबे वर्षावन अनुसंधान केंद्र स्थित है। यह भारत का सबसे पुराना मौसम केंद्र है, जो वर्षावन क्षेत्रों में होने वाले किसी भी बदलाव पर विशेष नजर रखता है। अगुंबे को 'कोबरा राजधानी' भी कहा जाता है क्योंकि यहां बड़ी संख्या में कोबरा पाए जाते हैं।

भरपूर बारिश के लिए प्रसिद्ध अगुंबे, कर्नाटक

वाहन मुक्त माथेरान, महाराष्ट्र: महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में पश्चिमी घाट की सह्याद्री पर्वत श्रंखलाओं के बीच स्थित माथेरान एक आकर्षक और लोकप्रिय हिल स्टेशन है। समुद्र तल से लगभग 2,625 फीट की ऊंचाई पर बसा यह स्थान अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के लिए जाना जाता है। माथेरान को एशिया का एकमात्र ऑटोमोबाइल मुक्त (वाहन-मुक्त) हिल स्टेशन होने का गौरव प्राप्त है, जिसका अर्थ है कि यहां किसी भी प्रकार के मोटर वाहन प्रतिबंधित हैं। यहां पर्यटक पैदल, घोड़ों पर या हाथ से खींची जाने वाले रिक्शा से घूम सकते हैं। माथेरान कई मनमोहक पॉइंट्स के लिए प्रसिद्ध है। यहां का पैनोरमा पॉइंट 360 डिग्री का विहंगम दृश्य प्रस्तुत करता है और सूर्योदय, सूर्यास्त दृश्य के लिए बहुत लोकप्रिय है। ईको पॉइंट पर गूंजती आवाजें सुनी जा सकती हैं। लुईसा पॉइंट और किंग जॉर्ज पॉइंट अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए जाने जाते हैं। यहां मौजूद शार्लोट लेक एक शांत झील है, जिसके आस-पास लोग खूब पिकनिक मनाने आते हैं। माथेरान की यात्रा का मुख्य आकर्षण नेरल से माथेरान तक चलने वाली प्रसिद्ध नैरो-गेज 'टॉय ट्रेन' है। लगभग 21 किलोमीटर लंबी यह रेल यात्रा घने जंगलों और घुमावदार रास्तों से होकर गुजरती है, जो यात्रियों को एक अद्भुत और यादगार अनुभव देती है। माथेरान मुंबई से लगभग 100 किमी और पुणे से 120 किमी की दूरी पर स्थित है। निकटतम रेलवे स्टेशन नेरल है, जहां से टॉय ट्रेन या टैक्सी द्वारा माथेरान के प्रवेश द्वार तक पहुंचा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों और शहर की भाग-दौड़ से दूर शांति की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए, माथेरान एक परफेक्ट डेस्टिनेशन हैं।

सबसे बड़ा नदी द्वीप माजुली, असम: माजुली, असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर स्थित दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप है। माजुली और राज्य की राजधानी गुवाहाटी के बीच की दूरी 347 किलोमीटर है। यहां मौजूद ग्रामीण भारत के मनोरम दृश्य दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करते हैं। यह द्वीप एक प्रदूषण-मुक्त क्षेत्र है। माजुली द्वीप हाल ही में सुर्खियों में आया था क्योंकि तेज कटाव के कारण यह डूबने की कगार पर पहुंच गया था। स्थानीय सरकार ने द्वीप पर एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। प्राकृतिक सुंदरता के अलावा, इस द्वीप में कई सांस्कृतिक और धार्मिक इमारतें भी स्थित हैं। k

जलेबी बहुत लोकप्रिय मिठाई है, जो देश के कई इलाकों में खूब पसंद की जाती है। लेकिन इससे कई गुना बड़ा और भारी जलेबा कुछ ही स्थानों पर मिलता है। जलेबी और उसके बड़े भाई जलेबा से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

रसभरी जलेबी का बड़ा भाई जलेबा

रोचक
अभिव्यक्ति त्रिवेदी

जलेबी तो आप सभी ने जरूर खाई होगी। बाहर से कुरकुरी और भीतर से रसभरी जलेबी भला किसे पसंद नहीं होगी। लेकिन क्या आप जानते हैं जलेबी का एक भाई भी है, जिसे कहते हैं जलेबा।

पहले बात जलेबी की: जलेबी हर वर्ग के लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय व्यंजन है। स्वाद में मीठी, कुंडलाकार जलेबी भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान, ईरान के साथ लगभग सभी अरब देशों में खाई जाती है। जलेबी के इतिहास की बात करें तो इसकी शुरुआत किसी इस्लामिक देश से मानी जाती है। मध्यकालीन किताब 'किताब-अल-तबीक' में भी 'जलाबिया' नामक मिठाई का उल्लेख मिलता है, जो अरेबिक शब्द है। फारसी में इसे 'जलिबिया' कहते हैं। 10वीं शताब्दी की अरेबिक पाक कला किताब में भी 'जुलुबिया' बनाने की कई रेसिपीज का उल्लेख मिलता है। इतिहासकारों की मानें तो जलेबी 500 साल पहले, जब तुर्की आक्रमणकारी भारत आए थे तब, हिंदुस्तान में पहुंची थी। जुलुबिया, जो अब जलेबी के नाम से जानी जाती है, एक मिठाई है। इसे मूल रूप से ईरान में इसी नाम से जाना जाता था। यह मध्यकाल में तुर्की और फारसी व्यापारियों के साथ भारत आई और धीरे-धीरे भारत में एक लोकप्रिय मिठाई बन गई। 10वीं शताब्दी के एक अरबी ग्रंथ में भी इस मिठाई का उल्लेख है, जिसमें इसे 'जलाबिया' कहा गया है।

कई नाम हैं प्रचलित: श्रीलंका में इसे 'पानी वलालु' कहते हैं, जो उड़द और चावल के आटे से बनती है। भारत के उत्तर-पश्चिम में इसे जलेबी, महाराष्ट्र में जिलबी तथा बंगाल और बांग्लादेश में 'जिलपी' कहा जाता है। ईरान के अलावा ट्यूनीशिया में इसे 'जष्लबिया' के नाम से जाना जाता है, वहीं नेपाल में इसे 'जेरी' कहते हैं।

कई रूपों में प्रसिद्ध: भारत के लगभग हर कोने में जलेबी बहुत लोकप्रिय है, लेकिन यह उत्तर भारत, पश्चिम बंगाल और बिहार में विशेष रूप से पसंद की जाती है। मध्य प्रदेश के जबलपुर में 'खोया जलेबी' प्रसिद्ध है तो आंध्र प्रदेश के तेनाली में गुड़ की जलेबी लोकप्रिय है, जिसे 'वेल्लम जिलेबी' कहा जाता है। गुजरात में 'जलेबी-फाफड़ा' नाश्ते के तौर पर बहुत प्रचलित है। भारत की तरह ही, पाकिस्तान, बांग्लादेश, ईरान और कई अरब देशों में भी जलेबी को बहुत पसंद किया जाता है।

ऐसे बनाते-खाते हैं जलेबी: जलेबी बनाने में मैदा, यीस्ट यानी खमीर, घी या तेल, शक्कर और पानी का इस्तेमाल किया जाता है। इनके अलावा पनीर जलेबी, आलू की जलेबी, मावा-खोया जलेबी आदि कई प्रकार की जलेबियां मार्केट में उपलब्ध हैं। कई शहरों में इसे पोहा-जलेबी, रबड़ी जलेबी, दूध-जलेबी आदि कई तरह से खाया जाता है।

लाजवाब होता है जलेबा: अपने देश में कुछ जगहों पर और खास अवसरों पर बड़े आकार की जलेबी, जिसे जलेबा कहते हैं, बहुत लोकप्रिय है। जलेबी और जलेबा में मुख्य अंतर उनके आकार और गाढ़ेपन का होता है। एक जलेबा करीब 250 ग्राम वजन का हो सकता है। जलेबा एक सामान्य जलेबी का विशाल और मोटा संस्करण यानी 'किंग साइज' संस्करण होता है, जिसका हर टुकड़ा काफी बड़ा होता है। इसे पकने और चाशनी में पूरी तरह भीगने के लिए ज्यादा समय तक तला जाता है, जबकि जलेबी पतली और कुरकुरी होती है।

कुछ ही जगह मिलता है जलेबा: जलेबा कुछ ही जगहों पर मिलता है। भारत की धार्मिक राजधानी बनारस में भादो महीने में रतजगा पर्व के अवसर पर जलेबा मिलता है। वहां के भरतपुर, झंझोर, उदार, बरवा सहित कई गांवों में जलेबा की दुकानों पर शाम होते ही भीड़ लग जाती है। इसके अलावा दीपावली के अवसर पर पुरानी दिल्ली के कुछ इलाकों में, हरियाणा के मेवात में भी जलेबा बनाया और चाव से खाया जाता है। k

विशिष्ट पेड़
वीना गौतम

स्वास्थ्य-आर्थिक लाभ दिलाए एवोकेडो का पेड़

एवोकेडो (वानस्पतिक नाम-पर्सिया अमेरिकाना) मूल रूप से मध्य अमेरिका, विशेष रूप से मैक्सिको, ग्वाटेमाला और पेरू में पाया जाने वाला पेड़ है, जो सन 1900 के आस-पास भारत में अंग्रेजों के जरिए आया था। तब से कई दशको तक यह एक सजावटी फल के रूप में केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक तक ही सीमित रहा। 60 के दशक के बाद से लोगों ने इसके महत्व को जानना-समझना शुरू किया। अपनी न्यूट्रीशन वैल्यू के कारण एवोकेडो का फल सुपरफूड के रूप में दिनों-दिन विख्यात होता गया और इसकी डिमांड दिन-ब-दिन बढ़ती गई।

अनुकूल भौगोलिक स्थितियां: एवोकेडो लगभग 18 से 28 डिग्री सेंटीग्रेड यानी मध्यम तापमान वाले वातावरण में अच्छी तरह फूलता-फलता है। इसलिए इसे उत्तर और मध्य भारत के ऐसे इलाकों में उगाया जा सकता है, जहां कड़ी ठंड या भीषण गर्मी नहीं पड़ती। मसलन उत्तराखंड के हलद्वानी, काशीपुर, उधमसिंह नगर आदि में इसकी खेती की जा सकती है। इसके अलावा हिमाचल के निचले हिस्सों में, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में एवोकेडो की खेती की जाती है।

ध्यान रखने योग्य बातें: एवोकेडो का पौधा फरवरी-मार्च या अगस्त-सितंबर के बीच रोपना चाहिए। पहले 15 से 20 दिन में लगातार सिंचाई करनी चाहिए। जनवरी से जून के बीच जब फल लगने का समय होता है, उस समय इस पेड़ को लगातार सींचना चाहिए, नहीं तो फल सूखकर गिर जाते हैं। पेड़ के इर्द-गिर्द मलचिंग करनी चाहिए ताकि नमी बनी रहे और खरपतवार न बनें।

किसानों के लिए है फायदे का सौदा: एवोकेडो की बढ़ती मांग के कारण आज इसका बाजार मूल्य 300 से 400 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गया है। यही कारण है कि एवोकेडो की फसल भारत में किसानों के लिए फायदेमंद 'कैश क्रॉप' रूप में उभरी है। आमतौर पर एवोकेडो का पेड़ तीन से चार साल के बीच में फल देना शुरू कर देता है। अच्छी तरह विकसित एवोकेडो का एक पेड़ औसतन 80 से 150 किलोग्राम फल हर वर्ष देता है। अगर एक एकड़ में एवोकेडो के 100 पेड़ लगा लिए जाएं तो किसान को हर साल औसतन 2 से 8 लाख रुपए की कमाई आसानी से हो सकती है। k

इंवेंशन
डॉ. दीपक कोहली

भविष्य में ग्रीन एनर्जी उत्पादन में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है आर्टिफिशियल लीफ। इस दिशा में देश-विदेश में लगातार प्रयोग किए जा रहे हैं। इस बारे में आप भी जानिए।

ग्रीन एनर्जी का फ्यूचर आर्टिफिशियल लीफ

आज विज्ञान और नवाचार का युग है। बदलते परिवेश में जब पूरी दुनिया ऊर्जा संकट, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, तब वैज्ञानिक नई दिशाओं की खोज में जुटे हैं। इसी खोज की परिणति है, कृत्रिम पत्ता या आर्टिफिशियल लीफ। यह एक ऐसा आविष्कार है, जो मानव सभ्यता को स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा प्रदान करने की दिशा में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है।

पेड़ों के हरे पत्ते जब सूर्य के प्रकाश की ऊर्जा को उपयोग में लाते हुए कार्बन डाइऑक्साइड और जल से भोजन बनाते हैं, तो उस प्रक्रिया को प्रकाश संश्लेषण कहा जाता है। इस प्रक्रिया में सूर्य की ऊर्जा रासायनिक ऊर्जा में परिवर्तित हो जाती है। यही सिद्धांत आर्टिफिशियल लीफ का आधार बना। यह एक ऐसा उपकरण है, जो सूर्य की किरणों की सहायता से जल को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित करता है।

ऐसे करता है काम: आर्टिफिशियल लीफ या कृत्रिम पत्ते का ढांचा सामान्य पत्ते जैसा ही होता है, किंतु इसमें विशेष प्रकार के प्रकाश-संवेदी पदार्थ और उत्प्रेरक धातुएं लगाई जाती हैं, जो सूर्य की ऊर्जा को अवशोषित कर रासायनिक अभिक्रियाएं प्रारंभ करती हैं। इस प्रक्रिया में जब सूर्य का प्रकाश कृत्रिम पत्ते पर पड़ता है, तो यह जल के अणुओं को विभाजित कर देता है। परिणामस्वरूप हाइड्रोजन और ऑक्सीजन उत्पन्न होती है। प्राप्त हाइड्रोजन को संग्रहित कर स्वच्छ ईंधन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

विदेशी विवि में हुए प्रयोग: सबसे पहले हार्वर्ड विश्वविद्यालय (अमेरिका) के वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल लीफ का सफल प्रयोग किया। उन्होंने सिलिकॉन और निकिल जैसे तत्वों का उपयोग करके ऐसा उपकरण बनाया, जो साधारण सूर्य के प्रकाश में भी जल को विभाजित करने में सक्षम था। इसके बाद मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी), कैंब्रिज विश्वविद्यालय और टोक्यो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने भी इस दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया।

भारत में भी हो रहे अनुसंधान: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा कृत्रिम पत्ता विकसित किया है, जो बहुत कम सूर्य प्रकाश में भी काम कर सकता है। यह पानी से हाइड्रोजन उत्पन्न करता है। इसी प्रकार भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंग्लुरू ने कृत्रिम पत्तों में नैनो-प्रौद्योगिकी का उपयोग कर उनकी कार्यक्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। उनके द्वारा विकसित कृत्रिम पत्ते पर्यावरणीय कारकों, जैसे तापमान और आर्द्रता के बावजूद स्थिर रहते हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली और राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे भी इस दिशा में निरंतर कार्यरत हैं।

भविष्य के लिए उपयोगी: आज दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती है, ऊर्जा का बढ़ता हुआ उपभोग और घटते पारंपरिक स्रोत। कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे स्रोत सीमित हैं और प्रदूषण के बड़े कारण भी। इसके विपरीत, आर्टिफिशियल लीफ सूर्य की असीम ऊर्जा का उपयोग करती है, जो निःशुल्क और अनंत है। यदि इस तकनीक का बड़े पैमाने पर उत्पादन और उपयोग संभव हो सका, तो आने वाले समय में हर घर स्वयं अपनी ऊर्जा उत्पन्न कर सकेगा। k

सिने ट्रेंड
मनोज प्रकाश

फूल अपनी खूबसूरती, सुगंध और मोहकता के लिए जाने जाते हैं। हिंदी फिल्मों में भी फूलों ने नायिकाओं की खूबसूरती में चार चांद लगाने में बड़ी भूमिका निभाई है। साथ ही फिल्मी गीतों और सीन को रूमानी बनाने में भी फूलों का अहम रोल रहा है। हिंदी फिल्मों और फूलों के कनेक्शन पर एक नजर।

फूलों से खूब निखरती रही है फिल्मी एक्ट्रेसेस की खूबसूरती

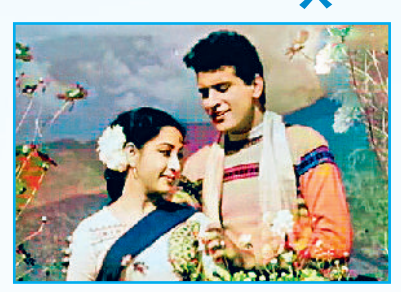

'हरियाली और रास्ता' में माला सिन्हा-मनोज कुमार

'आराधना' में ' शर्मिला टैगोर के साथ राजेश खन्ना

अधिकांश फूल अपने-आप में इतने सुंदर-मोहक होते हैं कि उन्हें देखकर मन प्रफुल्लित हो उठता है। उस पर जब कोई फिल्म अभिनेत्री अपने बालों में कोई फूल या फूलों का गजरा लगा ले तो उनकी खूबसूरती में मानो चार चांद लग जाते हैं। नरगिस से लेकर नरगिस फाखरी तक, हेलन से हेमा मालिनी तक, रेखा से राखी तक, मीना कुमारी से मुमताज तक, शर्मिला टैगोर से शिल्पा शेट्टी तक, माला सिन्हा से माधुरी दीक्षित तक। चाहे किसी भी पीढ़ी की अभिनेत्री रही हों, सभी ने अपनी सुंदरता बढ़ाने के लिए फूलों को न सिर्फ अपने बालों में लगाया बल्कि उनकी रंगत इस तरह बिखेरी कि हर दौर में दर्शक उनके जलवों के कायल होते रहे हैं। फिल्म निर्माता-निर्देशकों के लिए फूल सदियों से प्रेरणा का सबब रहे हैं। हर रंग, हर तरह के फूल फिल्मी दृश्यों की सुंदरता, नजाकत और काव्यात्मकता को बढ़ा देते हैं।

फूलों से बढ़ती है दृश्यों की खूबसूरती: फिल्मी दृश्यों में अगर फूलों के बाग हों, तो नायक-नायिका की रोमांटिक उपस्थिति इनसे और बढ़ जाती है। गीत या फिर किसी दृश्य में अगर फूल नजर आते हैं, तो उनकी सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है। इसके एक नहीं कई उदाहरण हैं। राखी और शशि कपूर पर फिल्माए गए गीत 'ओ मेरी शर्मीली' (शर्मीली) में गुलाब की रौनक है, तो शर्मिला टैगोर-राजेश खन्ना पर फिल्माए गए गीत 'कोरा कागज था ये मन मेरा' (आराधना) को और भी रोमांटिक किया है डहेलिया के फूलों ने। एवरग्रीन गीत 'मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू' (आराधना) में राजेश खन्ना, सुजीत कुमार जब चलती ट्रेन में बैठी शर्मिला टैगोर को छेड़ते हैं, तो शर्मिला के बालों में लगे छोटे-छोटे लाल फूल सारे माहौल को रंगीन कर देते हैं। दरअसल, फूल कोई भी हो, अगर उसे करीने से लगाया और प्रस्तुत किया जाए तो वह नायिका की खूबसूरती और गीतों-दृश्यों की रूमानियत को और भी बढ़ा देता है।

'अपना देश' में मुमताज-राजेश खन्ना

मुमताज का यूनीक गजरा-स्टाइल: मुमताज ऐसी अभिनेत्री रही हैं, जो अपनी स्टाइलिंग के कारण आज भी युवा पीढ़ी के लिए फैशन आइकॉन हैं। राजेश खन्ना-मुमताज की फिल्म 'अपना देश' के गीत 'कजरा लगा के, गजरा सजा के बिजुरी गिरा के जइयो न' में मुमताज ने जिस तरह से बेला के फूलों से बना गजरा लगाया, वह आज भी अनेक महिलाओं के लिए एक मानक बना हुआ है। आज भी शादी या किसी अन्य समारोह में जब कोई महिला गजरा लगाती है, तो ज्यादातर उसका स्टाइल मुमताज जैसा ही होता है। इसी फिल्म का एक अन्य गीत है, 'सुन चंपा, सुन तारा, कोई जीता, कोई हारा' जिसमें मुमताज अपने चिर-परिचित अंदाज में अभिनय की रौनक बिखेरती हैं। उनके साथ-साथ कोरस गाने वाली साइड आर्टिस्ट्स ने भी बालों में फूल लगाए हैं। पूरे गीत में बालों में लगे फूलों से जो समा बंधा है, वह देखते ही बनता है।

'शर्मीली' के एक गीत में राखी-शशि कपूर

1973 में आई फिल्म 'लोफर' में फरीदा जलाल की शादी में लाल शरारा कुर्ते पर बालों में गजरा लगाकर मुमताज ने बता दिया कि अगर फूलों का गजरा लगाना हो, तो स्टाइल क्या होगी। इसी फिल्म के सुपरहिट गीत 'मैं तेरे इश्क में मर न जाऊं कहीं' में उन्होंने फूलों के प्रिंट से सजी साड़ी पर सफेद गुलदाउदी लगाकर दर्शकों को अपना दीवाना बना लिया था।

'ब्लैकमेल' में राखी के साथ धर्मेंद्र

फूलों से निखरी इनकी भी खूबसूरती: 'आज मैं जवान हो गई हूं' (मैं सुंदर हूं) गीत में लीना चंदावरकर, 'पल-पल दिल के पास कोई रहता है' (ब्लैकमेल) में राखी की खूबसूरती और उनकी उपस्थिति को फूलों ने और भी सुंदर-मोहक बना दिया। फिल्म 'हरियाली और रास्ता' में मनोज कुमार और माला सिन्हा पर फिल्माया गया गीत 'बोल मेरी तकदीर में क्या है' में माला सिन्हा ने अपने बालों को गुलदाउदी से इस प्रकार से सजाया है कि उनकी मंद-मंद मुस्कान की मोहकता और भी बढ़ गई। आगे चलकर साल 1992 में रिलीज फिल्म 'तहलका' के 'दिल दीवाने का डोला दिलदार के लिए' में अभिनेत्री ने अपनी पूरी चोटी को फूलों में गुंथकर ऐसा स्टाइल बनाया कि सालों तक यह फैशन शादियों में दुल्हन के सिर चढ़कर बोला।

फूलों वाले ये सदाबहार गीत: बात फिल्म और फूलों की चली है तो यहां एक और बात का जिक्र करना जरूरी हो जाता है। हिंदी फिल्मों में जहां एक ओर अभिनेत्रियों ने अपनी हेयर स्टाइलिंग के लिए फूलों का प्रयोग किया, तो शायरों/गीतकारों ने अपने गीतों में फूलों का खूब और बखूबी इस्तेमाल किया, कभी सीधे-सीधे तो कभी प्रतीक के रूप में। 'आरजू' फिल्म का गीत 'ऐ फूलों की रानी बहारों की मलिका', 'सूरज' का गीत 'बहारो फूल बरसाओ, मेरा महबूब आया है', 'सरस्वती चंद्र' का 'फूल तुम्हें भेजा है खत में', 'प्रेम पुजारी' का 'फूलों के रंग से' जैसे तमाम ऐसे गीत हैं, जो आज भी महफिलों में बजते हैं। सोशल मीडिया के दौर में भी इन सदाबहार गीतों पर खूब वीडियोज बनाए जाते हैं और समय-समय पर ये गाने ट्रेंड भी करते हैं। k